● वर्ष-4
● अंक-49
रायपुर, शुक्रवार
04 अक्टूबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6»» ऊर्जा का उत्सव नवरात्रि

चुनाव से पहले चंपई सोरेन का बड़ा दावा

घुसपैठियों के कारण विलुप्त होते जा रहे आदिवासी गांव

नई दिल्ली। झारखंड विधानसभा चुनाव में राज्य में बांग्लादेश से होने वाले घुसपैठ को भाजपा बड़ा मुद्दा बनाती हुई दिखाई दे रही है। झारखंड के पूर्व सीएम और हाल में ही बीजेपी में शामिल होने वाले चंपई सोरेन ने भी बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण एक के बाद एक आदिवासी गांव विलुप्त होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं अपने समाज को आदिवासियों की लूटी जा रही जमीनों के प्रति जागृत कर रहा हूं. ये लोग कहां से आ रहे हैं? यहां आप जमीन नहीं बेच सकते लेकिन गांव खत्म हो रहे हैं और इसलिए मैं आदिवासी समुदाय को जगाने का काम कर रहा हूं।

इससे पहले सोरेन ने 2000 में बिहार से अलग होकर बने राज्य झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ को एक बड़ी समस्या के रूप में सूचीबद्ध किया। उन्होंने कहा कि इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है कि ये घुसपैठिए उन वीरों के वंशजों की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं जिन्होंने जल, जंगल और जमीन की लड़ाई में कभी विदेशी अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं की। इनके कारण फूल-झानो जैसी वीरांगनाओं को अपना आदर्श मानने वाली हमारी माताओं, बहनों और बेटियों की अस्मिता खतरे में है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि झारखंड में हिंदुओं और आदिवासियों की जनसंख्या घट रही है और उन्होंने झामुमो नीत गठबंधन सरकार पर राज्य की पहचान, संस्कृति और विरासत की कीमत पर घुसपैठियों का समर्थन करके ''वोट बैंक की राजनीति'' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ''माटी, बेटी, रोटी'' को बचाने के लिए अब ''ऐसी ताकतों को बाहर करने'' का समय आ गया है। मोदी ने भाजपा की परिवर्तन यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''झारखंड में बेटी, माटी, रोटी की रक्षा करने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए परिवर्तन का समय आ गया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाला गठबंधन एक खतरनाक खेल खेल रहा है, जो घुसपैठियों को संरक्षण देते हुए लोगों की पहचान, संस्कृति और परंपराओं को खतरे में डाल रहा है।''

परिवर्तन यात्रा सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरी और इसने लगभग 5,400 किलोमीटर की दूरी तय की। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि झामुमो नीत गठबंधन ऐसे लोगों द्वारा चलाया जा रहा है जो झारखंड की पहचान, संस्कृति और विरासत को मिटाना चाहते हैं। मोदी ने कहा, ''झामुमो और कांग्रेस में बैठे उनके आका झारखंड में आदिवासी समुदाय को अल्पसंख्यक बनाना चाहते हैं। उन्होंने हमेशा आदिवासी समाज के साथ विश्वासघात किया है और उन्हें कभी आगे बढ़ते नहीं देख सकते।'' उन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन पर आरोप लगाया कि वह सत्ता में बने रहने के लिए राज्य में नया वोट बैंक तैयार कर रहा है। मोदी ने कहा, ''वे सत्ता हासिल करने के लिए झारखंड का बलिदान देना चाहते हैं। संथाल परगना इस खतरनाक खेल का प्रमाण है, जहां आदिवासी आबादी घट रही है, जबकि बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है। क्या आप झारखंड की जनसांख्यिकी में इस बदलाव और हिंदुओं और आदिवासियों की आबादी में गिरावट को स्वीकार करते हैं?''

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ हरित शिखर सम्मेलन का किया शुभारंभ

क्लाइमेट चेंज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती: मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि पर्यावरण संकट और जलवायु परिवर्तन वर्तमान में राष्ट्रीय चिंतन का विषय बन गया है। जलवायु परितर्वतन हाल के वर्षों में दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। हम सभी को मिलकर इस समस्या से निपटने के लिए सहभागिता निभानी होगी। मुख्यमंत्री राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित प्रथम संस्करण छत्तीसगढ़ हरित शिखर के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पर्यावरण शोध पर आधारित संक्षेपिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जलवायु परिवर्तन पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इस वर्ष देश में गर्मी ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। राजधानी दिल्ली में तापमान 52.3 डिग्री तक पहुंच गया था। जलवायु परिवर्तन ने भारत ही नहीं वन पूरे दुनिया में दस्तक दी है। दुबई जैसे रेगिस्तानी इलाके में अत्यधिक बारिश होने से पूरा शहर बाढ़ की चपेट में आ गया।

उन्होंने कहा कि आज क्लाइमेट चेंज दुनिया में सबसे बड़ी चुनौती है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत पहले से ही इस समस्या के बारे में वैश्विक जगत को आगाह किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का 44 प्रतिशत हिस्सा वनाच्छादित है और हम इसे सहेजने का काम गंभीरता के साथ कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 4 करोड़ वृक्ष लगाने का जो लक्ष्य रखा गया था, वह हमने पूरा कर लिया है। हाल ही में हमने गुरु घासीदास-तमोर पिंगला को टाइगर रिजर्व बनाने की पहल की है। इसके माध्यम से वन्यजीवों के संरक्षण और पर्यावरण के संवर्धन में भी बड़ी मदद मिलेगी और यह देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रिन्यूएबल एनर्जी की दिशा में भी हम लगातार काम कर रहे हैं। भारत में 200 गीगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन हो रहा है। वर्ष 2030 तक इसे बढ़ाकर 500 गीगावॉट करने की योजना है, इस लक्ष्य को पाने के लिए प्रदेश भी सहभागी होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए छत्तीसगढ़ में अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए हम किसान वृक्ष मित्र योजना, ग्रीन क्रेडिट योजना का क्रियान्वयन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने नवा रायपुर में पीपल फॉर पीपल अभियान की शुरुआत की है, जिसके तहत हजारों पीपल के पेड़ लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सम्मेलनों के आयोजन से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य तेजी से आगे बढ़ेंगे और विषय विशेषज्ञों की मदद से स्वच्छ पर्यावरण के लक्ष्य को प्राप्त करने में हम कामयाब होंगे। वन मंत्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया ने बहुत तरक्की कर ली है। हर क्षेत्र में हम आगे बढ़ लेकिन प्रकृति से हमने दूरी बना ली। हमने प्रकृति का साथ छोड़ा है, हम विकृति की ओर बढ़ने लगे हैं। श्री कश्यप ने कहा कि हमने साधनों का दुरुपयोग करना शुरू कर दिया है। और अपने अस्तित्व को चुनौती देने का काम कर रहे हैं। वन मंत्री श्री कश्यप ने जलवायु परिवर्तन सहित पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से राज्य शासन की आगामी कार्य योजनाओं और प्रयासों की जानकारी दी। प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक श्री जे. नन्दकुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति को आरण्यक संस्कृति कहा गया है। भारतीय संस्कृति का आदर्श रूप वनवासियों के जीवन में हमें दिखता है। हमारे लोक जीवन और लोक परंपराओं में प्रकृति और मानव के बीच संबंध के अनेक सुंदर उदाहरण देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में ग्रीन समिट का मोटो परस्पर जीना अर्थात सह अस्तित्व होना चाहिए। हमें पंचभूत को अपना मानकर इसकी रक्षा करनी चाहिए। भारतीय परंपरा में इन्हें ईश्वर का दर्जा भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमें पेड़ लगाना, पानी बचाना, वायु को दूषित न करना और पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए कार्य करना चाहिए, यह हम सब की जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के राष्ट्रीय समन्वयक श्री गोपाल आर्य ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध जैव विविधता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी ने प्रकृति और पर्यावरण के मध्य संबंधों को प्रभावित किया है। हमें संबंधों को परस्पर जीने के उद्देश्य से पुन: स्थापित करना है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को राजधानी रायपुर में आगामी 05 और 06 अक्टूबर को आयोजित होने वाले सशस्त्र सैन्य समारोह में शामिल होने का भारतीय सेना के ब्रिगेडियर अमन आनंद और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आमंत्रण दिया।

(विस्तृत समाचार पेज 8 पर)

मराठी-बंगाली समेत पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा

नई दिल्ली। किसानों की आमदनी और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने से जुड़े हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी देने के अलावा केंद्र सरकार ने गुरुवार को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाओं को शास्त्रीय भाषा (क्लासिकल लैंग्वेज) का दर्जा दिया है। पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने के बाद पीएम मोदी ने सभी को बधाई दी है। दरअसल महाराष्ट्र सरकार ने मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का प्रस्ताव संस्कृति मंत्रालय की भाषा विशेषज्ञ समिति को भेजा था। इस बीच पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषा को भी शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के प्रस्ताव मिले। विशेषज्ञ समिति ने इन भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने की संस्तुति की। शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने के बाद इन भाषाओं के लिए शैक्षिणिक और शोध क्षेत्र में महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा इन भाषाओं के प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण, दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण से संग्रह, अनुवाद, प्रकाशन और डिजिटल मीडिया में रोजगार पैदा होंगे। कैबिनेट फैसले के बाद इन भाषाओं का व्यापक सांस्कृतिक, शैक्षिणिक प्रभाव राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलेगा। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हमारी सरकार भारत के समृद्ध इतिहास और संस्कृति को संजोती है और उसका जश्न मनाती है। हम क्षेत्रीय भाषाओं को लोकप्रिय बनाने की अपनी प्रतिबद्धता में भी अटल रहे हैं। मुझे बेहद खुशी है कि कैबिनेट ने फैसला किया है कि असमिया, बंगाली, मराठी, पाली और प्राकृत को शास्त्रीय भाषाओं का दर्जा दिया जाएगा।

प्रमुख समाचार

हरियाणा में थमा चुनाव प्रचार का शोर, 5 को सभी सीटों पर मतदान

नई दिल्ली। हरियाणा में चुनाव प्रचार खत्म हो गया है। 5 अक्टूबर को 90 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में हैं। वहीं, कांग्रेस को एक दशक के लंबे अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की उम्मीद है। हरियाणा में 90 सीट हैं जहां एक ही चरण में वोट डाले जाएंगे। हरियाणा की सभी 90 सीटों पर मतदान 5 अक्टूबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। 8 अक्टूबर को चुनावी नतीजे आएंगे। हरियाणा में 8,821 शतकवीरों सहित दो करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। शाम छह बजे चुनाव प्रचार समाप्त होने से कुछ घंटे पहले, प्रमुख दलों भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), इनेलो-बसपा और जजपा-आज़ाद समाज पार्टी ने रैलियां और रोड शो कर मतदाताओं को आकर्षित करने के प्रयास किए। अधिकारियों के अनुसार कुल 20,629 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। चुनावी मैदान में कुल 1031 उम्मीदवार हैं, जिनमें 101 महिलाएं हैं।

इज़राइल ने हमास के तीन टॉप लीडर का खात्मा कर दिया

हमास। इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने गाजा पट्टी में एयर स्ट्राइक के जरिए हमास के तीन टॉप लीडर का खात्मा कर दिया है। आईडीएफ की तरफ से कहा गया है कि उत्तरी गाजा में एक भूमिगत परिसर पर हमले में गाजा के वास्तविक प्रधानमंत्री रावही मुश्तहा के साथ-साथ दो अन्य हमास कमांडरों, समेह सिराज और समेह औदेह की मौत हो गई। आईएएफ के लड़ाकू विमानों ने आतंकवादियों पर हमला किया और उन्हें मार गिराया। तीनों ने उत्तरी गाजा में अंडरग्राउंड कैंपस में शरण ली थी। इस परिसर का इस्तेमाल हमास कमांड और कंट्रोल सेंटर के रूप में करता था। सेना ने कहा कि आईडीएफ 7 अक्टूबर के नरसंहार के लिए जिम्मेदार सभी आतंकवादियों का पीछा करना जारी रखेगा और इजरायल राज्य को धमकी देने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा। इज़रायली सेना और शिन बेट का हवाला देते हुए, द टाइम्स ऑफ़ इज़रायल ने कहा कि मुस्ताहा को तीन महीने पहले गाजा पट्टी में एक हमले में निशाना बनाया गया था.

वकील की दलील मालेगांव विस्फोट में सिमी का हाथ

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता प्रज्ञा ठाकुर के वकील ने 3 अक्टूबर को मुंबई की एक विशेष अदालत के समक्ष दलील दी कि 2008 के मालेगांव विस्फोट को प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) का हाथ हो सकता है। बचाव पक्ष वर्तमान में राष्ट्रीय जांच एजेंसी मामलों के विशेष न्यायाधीश एके लाहोटी की अदालत में मामले में अंतिम दलीलें दे रहा है। 29 सितंबर, 2008 को उत्तरी महाराष्ट्र में मुंबई से लगभग 200 किमी दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल में बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। वकील मिश्रा ने दावा किया कि जब भी ऐसी कोई घटना होती है तो लोग पुलिस की मदद करते हैं। हालांकि, इस मामले में घटना के तुरंत बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस पर पथराव किया, जिससे उन्हें विस्फोट स्थल तक पहुंचने से रोका गया। उन्होंने कहा, ऐसा उनके (सिमी से जुड़े) लोगों की सुरक्षा के लिए किया जा सकता था। वकील ने तर्क दिया कि विस्फोट स्थल के पास एक सिमी कार्यालय स्थित था.

मंदिर से चुरा ली राधा-कृष्ण की मूर्ति, फिर चोर को पछतावा...

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक मंदिर से 100 साल पुरानी अष्टधातु की मूर्ति चोरी होने के आठ दिन बाद हाईवे के सर्विस मार्ग के बगल से बरामद हुई। पुलिस को मौके से चोर का माफीनामा मिला। इसमें उसने अपनी अज्ञानता का उल्लेख करते हुए मूर्ति लौटाने की बात लिखी थी। चुराने पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। चोर ने चोरी की गई मूर्ति को एक राजमार्ग के किनारे छोड़ दिया और इसके साथ एक माफी पत्र भी दिया जिसमें चोरी पर खेद व्यक्त किया गया। पुलिस के अनुसार, 23 सितंबर को प्रयागराज के नवाबगंज में राम जानकी मंदिर से 100 साल पुरानी अष्टधातु की मूर्ति चोरी हो गई थी। घटना की सूचना मंदिर अधिकारियों ने पुलिस को दी थी। मंदिर के पुजारी इस चोरी से इतने आहत हुए कि उन्होंने इसके विरोध में अनिश्चितकालीन उपवास शुरू कर दिया। चोरी की सूचना मिलने के ठीक 10 दिन बाद, राहगीरों को राष्ट्रीय राजमार्ग के गऊघाट लिंक रोड पर एक बोरे के अंदर मूर्ति मिली। उन्होंने कहा कि मूर्ति स्वामी जय रामदास महाराज की है।

राम मंदिर के शिखर का निर्माण शुरू, हुआ पूजन

अयोध्या। राम मंदिर के 161 फीट ऊंचे शिखर का निर्माण नवरात्र के पहले दिन से प्रारंभ कर दिया गया है। बृहस्पतिवार को वैदिक आचार्यों ने शिखर की पहली शिला का विधि विधान पूर्वक पूजन किया। इस शिला से शिखर निर्माण का प्रारंभ किया गया। शिला पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने श्रीराम नाम भी अंकित किया। राममंदिर की ऊंचाई वैसे तो 161 फीट है लेकिन इस पर 44 फीट ऊंचा धर्मध्वज भी लगाया जाएगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बृहस्पतिवार को निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य अपनी रफ्तार से चल रहा है। जो समय सीमा तय की गई है उस पर काम पूरा होगा। नागर शैली में बन रहे मंदिर का शिखर भी उसी शैली का होगा। शिखर की डिजाइन आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा ने तैयार की है। डिजाइन को ट्रस्ट ने पहले ही फाइनल कर दिया है। शिखर निर्माण में 120 दिन लगेंगे। शिखर का निर्माण गुजरात व राजस्थान के 300 कुशल कारीगर करेंगे। राममंदिर निर्माण समिति की बैठक के बाद राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि परकोटा, सप्त मंडपम का काम साथ-साथ चल रहा है। दिसंबर 2025 तक ये काम पूरे हो जाएंगे। शेषावतार मंदिर की नींव का काम प्रारंभ हो गया है।

मोदी मंत्रिमंडल के निर्णय ▶ रेल कर्मियों को 78 दिन का बोनस

किसानों से जुड़ी 1.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक की योजनाएं स्वीकृत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने किसानों और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं के लिए हजारों करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में आज इन योजनाओं को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बताया कि सरकार ने क्क्रू राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषि उन्नति योजना को मंजूरी दी है। इन योजनाओं के लिए 1 लाख 1321 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाएगा। इसके अलावा 63 हजार करोड़ रुपये से अधिक की चेन्नई मेट्रो फेज-2 परियोजना को भी मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने के मकसद से सरकार ने कई अहम फैसले लिए हैं।

वैष्णव ने बताया कि एक तरह से किसानों की आय से जुड़े लगभग हर बिंदु को 1,01, 321 करोड़ रुपए के कार्यक्रम के तहत कवर किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ा कार्यक्रम है जिसके कई घटक हैं। सभी घटकों को कैबिनेट ने अलग-अलग योजनाओं के रूप में मंजूरी दी है। बकौल अश्विनी वैष्णव, %अगर कोई राज्य किसी एक योजना से जुड़ी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) लेकर आता है, तो उसे इस योजना के तहत मंजूरी दी जाएगी।%

चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण को मंजूरी

कैबिनेट ने चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण को भी स्वीकृति दी है। इस पर 63,246 करोड़ रुपये की लागत आएगी। दूसरे चरण की कुल लंबाई 119 किलोमीटर होगी। साथ ही कुल 120 स्टेशन होंगे। इस परियोजना में केंद्र और तमिलनाडु सरकार की 50-50 फीसदी हिस्सेदारी होगी। इसका निर्माण चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड करेगी। चेन्नई में 2026 में 1.26 करोड़ और 2048 में 1.80 करोड़ जनसंख्या होने का अनुमान है।

किसानों की आय बढ़ाने की कवायद

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट बैठक में सबसे बड़ा फैसला किसानों की आय बढ़ाने और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का है। इसके लिए पीएम राष्ट्र कृषि विकास योजना और कृषोन्ति योजना को मंजूरी दी गई है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने कृषि मंत्रालय के तहत संचालित सभी केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) को दो व्यापक योजनाओं में तर्कसंगत बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। पीएम-आरकेवीवाई टिकाऊ कृषि को

बढ़ावा देगा जबकि केवाई खाद्य सुरक्षा और कृषि आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने में सहायता करेगा।

उन्होंने बताया कि दोनों योजनाओं के तहत 9 अलग-अलग योजनाएं हैं। विभिन्न घटकों के कुशल और प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सभी घटक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाएंगे। ये दोनों योजनाएं राज्यों की ओर से कार्यान्वित की जाती हैं। 1,01,321.61 करोड़ रुपये के कुल प्रस्तावित व्यय में से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के केंद्रीय हिस्से का अनुमानित व्यय 69,088.98 करोड़ रुपये है। साथ ही इसमें राज्यों का हिस्सा 32,232.63 करोड़ रुपये है। इसमें कृषि विकास योजना के लिए 57,074.72 करोड़ रुपये और कृषोन्नति योजना के लिए 44,246.89 करोड़ रुपये शामिल हैं।

केंद्रीय कैबिनेट ने लाखों रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन के बराबर बोनस देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। त्योहारी सत्र से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को कैबिनेट की अहम बैठक में रेलवे कर्मचारियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 78 दिनों के लिए उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) को मंजूरी दी। इसका लाभ 11,72,240 रेलवे कर्मचारियों को होगा। इस पर 2028.57 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पात्र रेलवे कर्मचारियों को देय अधिकतम राशि 78 दिनों के लिए 17,951 रुपये है। इस राशि का भुगतान विभिन्न श्रेणियों के रेलवे कर्मचारियों जैसे ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, पर्यवेक्षक, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ग्रुप सी कर्मचारियों को किया जाएगा। पात्र रेलवे कर्मचारियों को पीएलबी का भुगतान प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा/दशहरा की छुट्टियों से पहले किया जाता है। वर्ष 2023-2024 में रेलवे का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। रेलवे ने 1588 मिलियन टन का रिकॉर्ड माल लोड किया और लगभग 670 करोड़ यात्रियों को सफर कराया। कैबिनेट ने 10,103 करोड़ रुपये की खाद्य तेल पर राष्ट्रीय मिशन ऑयलसीड्स को भी मंजूरी दी है। यह कृषोन्नति योजना के तहत आने वाली नौ योजनाओं में से एक है। इस योजना का लक्ष्य 2031 तक खाद्य तेलों का उत्पादन 1.27 करोड़ टन से बढ़ाकर 2 करोड़ टन करना है। इस मिशन का लक्ष्य तिलहन उत्पादन में भारत को सात वर्षों में आत्मनिर्भर बनाना है। मिशन साथी पोर्टल लॉन्च करेगा जिससे राज्य गुणवत्तापूर्ण बीजों की समय पर उपलब्धता के लिए हितधारकों के साथ समन्वय कर सकेंगे

कैबिनेट ने लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दे दी है ताकि भारत ऊर्जा दक्षता केंद्र में शामिल हो सके। यह दुनिया भर में ऊर्जा दक्षता और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक वैश्विक मंच है। यह कदम सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के उसके प्रयासों के अनुरूप है।

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा महामाया मंदिर में लगा भक्तों का तांता

सूरजपुर। गुरुवार से शारदीय नवरात्र प्रारंभ हो गया है। नवरात्र के पहले दिन सूरजपुर के महामाया मंदिर में माता के दर्शन करने सुबह से ही भक्तों का तांता लगा है। भक्त हाथों में फूल, माला, चुनरी लिए लाइन लगाकर अपनी बारी का इंतेजार कर रहे हैं।

माता के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं का कहना है कि आज नवरात्रि का पहला दिन है। इसलिए सुबह से ही देवी मां के दर्शन के लिए मंदिर में भक्तों की भीड़ लगी हुई है। हमने भी लाइन लगकर माता के दर्शन किया और पूजा अर्चना की है। यहां पहले सड़कें नहीं थी। हम पैदल फिर साइकिल से मंदिर आते थे।

श्रद्धालु भीमसेन गोयल ने कहा हम लोग बचपन से महामाया माता के मंदिर में आ रहे हैं। यहां जो भी आया है, उसकी मन्नत पूरी हुई है। देवी मां का सभी पर आशीर्वाद बना हुआ है। इसलिए हम हमेशा यहां आते हैं। नवरात्रि में धीरे धीरे भीड़ और बढ़ती जाएगी।

नवरात्रि सूरजपुर के महामाया मंदिर में साल भर श्रद्धालु पूजा अर्चना करने पहुंचते हैं। चैत्र नवरात्रि हो, शारदीय नवरात्र हो या फिर गुप्त नवरात्रि, यहां श्रद्धालु भारी संख्या में पहुंचकर माता माहामाया की पूजा अर्चना करते हैं। नवरात्रि के नौ दिनों तक माता के नौ स्वरूपों की पूजा अर्चना की जाती है। इस दौरान मंदिर प्रांगण में हजारों मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित भी किए जाते हैं। घंटी और जयकारों की गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय

वातावरण महसूस किया जा रहा है।

सूरजपुर का प्राचीनतम महामाया मंदिर से सरगुजा संभाग के लोगों में गहरी आस्था जुड़ी है। माता माहामाया का यह पवित्र धाम एक बड़ा आस्था का केंद्र है। पौराणिक मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु यहां सच्चे मन से अपनी मनोकामना मांगता है, मां महामाया उसकी मनोकामना जरूर पूरी करती है। यहां उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

बस्तर की आराध्य 'माई दंतेश्वरी' का पहला दर्शन करता है किन्नर समाज

जगदलपुर। बस्तर में भी शारदीय नवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। गुरुवार सुबह से ही बस्तर के सभी देवी मंदिरों में भक्तों का तांता लगा हुआ है। वहीं बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर में सुबह से ही लोग दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। नवरात्रि के पहले दिन देवी की पहली पूजा किन्नर समाज द्वारा किए जाने की लंबे समय से परंपरा चली आ रही है।

किन्नर समाज ने बाकायदा बुधवार और गुरुवार को आधी रात शहर में श्रृंगार यात्रा निकाली। साज-श्रृंगार किए किन्नरों ने आधी रात में बग्धी में सवार होकर श्रृंगार यात्रा निकालकर दंतेश्वरी मंदिर पहुंचते हैं, और सुबह के करीब 4 बजे जैसे ही मां दंतेश्वरी का दरबार खुलता है, वैसे ही पहला दर्शन किन्नरों द्वारा किया जाता है। इसके बाद माता को पहली चुनरी और श्रृंगार किन्नरों द्वारा चढ़ाई जाती है।

किन्नर समाज की अध्यक्ष रिया परिहार ने बताया कि हर साल किन्नरों के श्रृंगार यात्रा में जगदलपुर के अलावा पड़ोसी राज्य ओडिशा से भी किन्नर भव्य यात्रा में शामिल होने के लिए बस्तर पहुंचते हैं, और नवरात्रि के पहले दिन हर साल सात श्रृंगार किए किन्नरों द्वारा श्रृंगार यात्रा निकाली जाती है। इसे बस्तरवासियों का भी समर्थन मिलता है।

रिया परिहार ने बताया कि मां दंतेश्वरी के प्रति किन्नरों की गहरी आस्था है। यही वजह है कि हर साल नवरात्रि के पहले दिन चुनरी और श्रृंगार का समान किन्नरों द्वारा ही माता को चढ़ाया जाता है। इस पूजा के पीछे उनका उद्देश्य होता है कि सभी व्यापारियों व बस्तरवासियों पर किसी तरह की कोई समस्या ना आए और किसी की गोद खाली ना रहे, इसलिए मां दंतेश्वरी से वे प्रार्थना करने पहुंचते हैं।

सुकमा में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

सुकमा। छत्तीसगढ़ में सुकमा जिले के घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र चिंतलनार थाना क्षेत्र के बोत्तालंका और इरापल्ली के जंगल में सुरक्षा बल के जवानों और माओवादियों के बीच बड़ी मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में जवानों ने कई माओवादियों को गोली लगने का दावा किया है।

सुकमा पुलिस के मुताबिक माओवादियों ने जवानों के ऊपर बीजीएल से हमला किया है। हालांकि जवानों को किसी प्रकार की कोई क्षति नहीं पहुंची है। यह मुठभेड़ सुबह 8 बजे के करीब हुई। रुक रुक कर लंबे समय तक यह मुठभेड़ चली। जवान अब भी घटना स्थल पर मौजूद हैं। घटना स्थल में बारीकी से सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। सुकमा एसपी किरण चव्हान ने कहा है कि जवानों के लौटने पर इस मुठभेड़ को लेकर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

चिंतलनार थाना क्षेत्र के बोत्तालंका और इरापल्ली के जंगल को नक्सलियों की बटालियन का सबसे मजबूत इलाका कहा जाता है। यहां हमेशा नक्सल बटालियन की मौजूदगी रहती है। वहां माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी, कोबरा और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम पहुंची और नक्सलियों से मुठभेड़ हुई है।

एसपी किरण चव्हाण ने कहा सुकमा सीआरपीएफ डीआईजी आनंद और कोंटा

सीआरपीएफ डीआईजी सूरजपाल वर्मा लगातार जवानों से संपर्क बनाए हुए हैं।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों के कोर इलाके में जवानों का ऑपरेशन चल रहा है। सुबह से ही सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। डीआरजी, सीआरपीएफ और कोबरा बटालियन के जवान नक्सलियों का मुकाबला कर रहे हैं। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों को गोली लगने की खबर है।

मुठभेड़ स्थल से अस्थाई कैंप को ध्वस्त कर भारी मात्रा में नक्सलियों के डम्प सामाग्रियों एवं विस्फोटक सामान को बरामद किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में जिला बल, डीआरजी, बस्तर फाईटर, 206 कोबरा वाहिनी, 208 कोबरा वाहिनी, 204 कोबरा वाहिनी एवं 203 कोबरा वाहिनी की संयुक्त कार्यवाही की गई। इलाके में सर्चिंग जारी है और सभी जवान सुरक्षित हैं।

आदिशक्ति मां महामाया देवी मंदिर का इतिहास और मान्यता

रतनपुर में गिरा था देवी सती का दाहिना स्कंद

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के रतनपुर स्थित श्री आदिशक्ति मां महामाया देवी मंदिर छत्तीसगढ़ के सबसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में से एक है। यह मंदिर, दक्षिण-पूर्व भारत के सबसे धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध मंदिरों में से एक है। रतनपुर एक धार्मिक एवं प्रसिद्ध दर्शनीय स्थल है, जहां अनेकों मंदिर हैं, इसलिए रतनपुर को मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

रतनपुर को कल्चुरी वंश के शासन काल में छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी भी घोषित किया गया था। उस समय यहां 1200 से भी अधिक तालाब हुआ करते थे, जिसके कारण ही इसे तालाबों का शहर भी कहा जाता था। रतनपुर नगर में अनेक मंदिर हैं, लेकिन यह विशेष रूप से महामाया देवी मां के मंदिर के लिए विख्यात है। आदिशक्ति मां महामाया देवी मंदिर का निर्माण राजा रत्नदेव प्रथम द्वारा ग्यारहवीं शताब्दी में कराया गया था। मंदिर के भीतर महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी स्वरुप देवी की प्रतिमाएं विराजमान हैं।

मान्यता है कि इस मंदिर में यंत्र-मंत्र का केंद्र रहा होगा। रतनपुर में देवी सती का दाहिना स्कंद गिरा था, इसलिए रतनपुर शक्तिपीठ के रूप में ख्यात है। भगवान शिव ने स्वयं आविर्भूत होकर उसे कौमारी शक्ति पीठ का नाम दिया था, जिसके कारण मां के दर्शन से कुंवारी कन्याओं को सौभाग्य की प्राप्ति होती है। नवरात्रि पर्व पर यहां की छटा दर्शनीय होती है।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा यहां 30 हजार से ज्यादा की संख्या में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्जवलित किये जाते हैं।

रतनपुर का इतिहास पुरातनता से मिलता है और पुरातात्विक साक्ष्य बताते हैं कि यह 8वीं शताब्दी ईस्वी तक एक समृद्ध बस्ती थी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में स्थित रतनपुर को विभिन्न युगों में कई नामों से जाना जाता था जैसे - मणिपुर, रत्नावली। माना जाता है कि शहर के नाम की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द रत्न (रत्न) और पुर (शहर) से हुई है। रतनपुर का इतिहास लड़ाइयों और सत्ता परिवर्तन का भी गवाह है। इस क्षेत्र ने नागवंशी और मराठा शासकों सहित विभिन्न राजवंशों का उत्थान और पतन देखा है।

राजस्व सेवाओं में नवाचार के लिए पटवारियों का प्रशिक्षण

महासमुंद। राजस्व सेवाओं को बेहतर ढंग से लागू करने व नवाचार के लिए आज जिले के पटवारियों का प्रशिक्षण नव किरण अकादमी महासमुंद में आयोजित की गई।

कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने प्रशिक्षण में पटवारियों को जनता से जुड़ाव के लिए उनसे सतत संबंध बनाने और फील्ड विजिट के दौरान उनसे चर्चा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पटवारी राजस्व विभाग की पहली सीढ़ी है। वे ग्रामीण इलाकों में लगातार किसानों और नागरिकों से मिलते रहे तथा उनके समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही करने का प्रयास करें। जो समस्याएं तहसीलदार या अनुविभागीय स्तर की है उसके लिए भी पहल करें।

आज नवकिरण अकादमी में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने सभी तहसीलों से 20-20 पटवारी जो की स्मार्ट फोन का उपयोग अच्छे से जानते हो उन्हें स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश दिए हैं। जिसमें क्षेत्र के किसान, जनप्रतिनिधि, ग्राम पटेल और वरिष्ठ नागरिकों को जोडने कहा गया है। उन्होंने प्रशिक्षण में राजस्व सेवाओ में नवाचार के लिए अविवादित नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, नक्शा इंद्राज, त्रुटि सुधार, आय जाति निवास के संबध मे पटवारियां को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि सीमांकन का निराकरण आरआई के मार्गदर्शन में समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए। त्रुटि सुधार संबंधी खातों का भी संकलन कर तीन माह के भीतर त्रुटि सुधार का निराकरण करें। ग्राम स्तर पर अतिक्रमण पंजी का निर्माण करते हुए शासकीय भूमि में हुए अतिक्रमण को अनिवार्य रूप से दर्ज करें और नए अतिक्रमण को रोके। उन्होंने कहा कि आगामी धान खरीदी में रकबा संशोधन के संबंध में शिकायत मिल सकती है जिसे तत्काल जांच कर कार्रवाई किया जाए। इसी तरह नक्शा बंटाकन का कार्य भी आगामी 06 माह में पूर्ण करें।

गांधीगिरी से गांव की सूरत बदलने की मुहिम, ग्रामीणों ने शुरु किया जन सत्याग्रह

जांजगीर चांपा। जिला के महंत ग्राम में 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती पर अनोखा सत्याग्रह शुरु किया गया। ग्राम विकास समिति के माध्यम से मां चंडी मंदिर प्रांगण में जनसत्याग्रह की शुरुआत हुई। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य गांव के विकास के लिए पूर्व में हुई घोषणाओं को अमल में लाना है।साथ ही साथ शासन प्रशासन से संपर्क साधकर गांव को विकास की मुख्यधारा में जोड़ना है।

महंत ग्राम पंचायत के लोग मां चंडी पर आस्था रखते हैं।कोई भी नया कार्य शुरु करने से पहले मां चंडी का आशीर्वाद लेते हैं। गांधी जयंती के अवसर पर भी चंडी दाई मंदिर प्रांगड से जन सत्याग्रह की शुरुआत की गई। गांव के लोगों ने इस जन सत्याग्रह की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। ग्रामीणों के मुताबिक देश की आजादी के पहले और आजादी के बाद महंत गांव में बड़े

बड़े नेता और मुख्यमंत्री के साथ अधिकारियों का कार्यक्रम आयोजित होता रहा हैं। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद इस गांव के विकास के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं हुई। लेकिन ये घोषणाएं पूरी नहीं हुई। जिसके कारण गांव का विकास रुक गया हैं।

ग्राम विकास समिति अध्यक्ष देवेश सिंह ने कहा गांव के लोगों ने अपनी समस्या के निराकरण के लिए सत्याग्रह की शुरुआत की हैं। जिसके माध्यम से शासन प्रशासन का ध्यान अपने गांव की समस्या की ओर आकर्षित कराया जाएगा।

स्थानीय नागरिक बुधेश्वर सिंह ने कहा महंत गांव के लोगों ने अपने गांव के विकास के लिए राजनितिक मतभेद को अलग रखा हैं ।गांव के विकास को सर्वोपरि माना है। ग्रामीणो ने नवरात्र प्रारम्भ होने से एक दिन पहले ही मां चंडी के दरबार से कलश यात्रा निकालकर गांव से जन सत्याग्रह शुरु करने का संदेश हर घर तक पहुंचाया।

आपको बता दें कि महंत गांव के लोगों ने जिस तरह से अपने गांव के विकास के लिए गांधी का रास्ता अपनाया है।वो काबिले तारीफ है।आज के समय में भी गांधी जी के आदर्शों पर चलकर गांव के लोग अपनी मांगों को पूरा करवाना चाहते हैं।लेकिन अब देखना ये होगा कि क्या इस सत्याग्रह की आवाज शासन प्रशासन के कानों तक पहुंचेगी या नहीं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

गेवरा खदान में हादसा, 80 फिट नीचे खाई में गिरा डंपर

कोरबा। एसईसीएल गेवरा परियोजना में दुर्घटनाओं का सिलसिला लगातार जारी है। बीती रात लगभग 3:15 बजे गेवरा खदान के पार्था फेस में एक बड़ा हादसा हो गया। जहां एक डंपर करीब 80 फिट नीचे खदान में जा गिरा। इस घटना के बाद डंपर में ब्लास्ट हो गया। वहीं वाहन में फंसे चालक को कांच तोड़कर बाहर निकाला गया। इस दुर्घटना में कुचेना निवासी डंपर ऑपरेटर पुष्पराज 56 वर्ष को सीने और हाथ में गंभीर चोटें आईं। जहां मौके पर मौजूद सहकर्मियों ने तुरंत घायल ऑपरेटर को प्राथमिक उपचार के लिए एसईसीएल के विभागीय एनसीएच अस्पताल गेवरा में भर्ती कराया गया। जहां उसका उपचार जारी है। सहकर्मियों की माने तो हादसे का कारण खदान में पर्याप्त विद्युत व्यवस्था नहीं होना है। खदान के कुछ क्षेत्रों में विद्युत लाइट की उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे खदान में काम करने में कठिनाई होती है। वहीं घटना के बाद एसईसीएल के सहकर्मी घायल का हाल चाल जानने पहुंचे और और इस घटना को लेकर काफी आक्रोशित हैं।

कोण्डागांव में चार पुलिस अधिकारियों का तबादला

कोंडागांव। कोण्डागांव के पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी आदेश में चार अधिकारियों का प्रशासनिक दृष्टिकोण से तबादला किया गया है। यह तबादले आगामी आदेश तक अस्थायी तौर पर लागू रहेंगे। आदेश के अनुसार, निरीक्षक संजय सिन्दे को प्रभारी डीएसबी शाखा से थाना फरसगांव का प्रभारी बनाया गया है, जबकि उप निरीक्षक नरेश साहू को प्रभारी थाना फरसगांव से प्रभारी थाना बयानार के रूप में स्थानांतरित किया गया है। उप निरीक्षक विनोद नेताम, जो प्रभारी थाना बयानार थे, उन्हें प्रभारी थाना बडेडोंगर का कार्यभार सौंपा गया है। इसी प्रकार, उप निरीक्षक संजय वट्टी को सायबर सेल से रक्षित केन्द्र में स्थानांतरित किया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी इस आदेश की सूचना सभी संबंधित अधिकारियों को दी गई है और आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए हैं। यह तबादला प्रशासनिक संतुलन और पुलिस विभाग की कार्यकुशलता में सुधार के उद्देश्य से किया गया है।

धमतरी जल जगार महोत्सव की तैयारियां पूरी

धमतरी। जिले में 5 और 6 अक्टूबर को पंडित रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध में जल जगार महोत्सव आयोजित किया जाएगा। जल जगार महोत्सव में आने वाले प्रतिभागी, दर्शक, व्हीव्हीआईपी, व्हीआईपी के लिए रूट चार्ट बनाया गया है। इसके तहत जल जगार महोत्सव में पहुंचने वाले अंबेडकर चौक धमतरी-रूद्री चौक-पहलवान चौक-मरादेव-गंगरेल बस्ती होते हुए जल जगार महोत्सव में पहुंचेंगे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद उसी मार्ग से अपने घर जाएंगे। पार्किंग व्यवस्था 4 जगहों पर की गई है। गंगरेल घूमने आने वाले पर्यटकों और अंगारमोती माता का दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए रूट एवं पार्किंग व्यवस्था के लिए अलग रूट चार्ट बनाया गया है। इसमें रायपुर, दुर्ग, धमतरी से आने वाले पर्यटक और अंगारमोती माता दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु अंबेडकर चौक-रूद्री चौक-पहलवान चौक-बेन्द्रानवागांव-डांगीमाचा-मानव वन ऑक्सीजोन होते हुए गंगरेल पहुंचेंगे। इसी तरह कांकेर, बालोद की ओर से आने वाले पर्यटक गुरूर-भटगांव-सोरम-डांगीमाचा होते हुए गंगरेल पहुंचेंगे।

कांटों के झूले में झूल मां ने दी त्योहार मनाने की अनुमति

जगदलपुर। बस्तर का महापर्व दशहरा बिना किसी बाधा के संपन्न हो इस मन्नत और आशीर्वाद के लिए काछनदेवी की पूजा होती है। मंगलवार की रात काछनदेवी के रूप में अनुसूचित जाति की कुंआरी कन्या पीहू ने बस्तर राजपरिवार को इस तरह का आशीर्वाद दिया। काछनगुड़ी के बाहर कांटों का झूला लगाया जाता है। अक्षत, रोली से झूले के पास चौक पूरा जाता है। राजपरिवार के सदस्य, गणमान्य नागरिकों सहित नंगे पैर यहां आकर देवी से आशीर्वाद मांगते हैं। इस दौरान मिरगान जाति की कुंआरी, नाबालिग कन्या, जिस पर देवी सवार रहती हैं, को बेल के कांटों से बने झूले में लिटाया जाता है। प्रतिवर्ष पितृमोक्ष अमावस्या को इस प्रमुख विधान से बस्तर दशहरे की शुरुआत होती है। महेश कश्यप, बस्तर सांसद और पदेन अध्यक्ष, बस्तर दशहरा कमेटी ने बताया कि बस्तर दशहरा जातीय समभाव का प्रमुख पर्व है। इसमें सभी जाति के लोगों को जोड़कर इनकी सहभागिता निश्चित की गई थी। इसीलिए यह जन-जन का पर्व कहलाता रहा है।

सेवानिवृति पर चिरमिरी के प्राचार्य को दी गई विदाई

चिरमिरी। केन्द्रीय विद्यालय चिरमिरी के प्राचार्य एन।के।सिन्हा सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। उनके सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ-साथ प्रबुद्ध जनों ने प्राचार्य श्री सिन्हा को भावपूर्ण विदाई दी। सभी ने उन्हें पुष्पमाला पहनाकर उनके सेवाकाल की चर्चा की। इस अवसर पर एसईसीएल चिरमिरी क्षेत्र के महाप्रबंधक एवं केंद्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नवनीत श्रीवास्तव ने श्री सिन्हा को शाल-श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी। इस दौरान सभी वक्ताओं द्वारा श्री सिन्हा को योग्य और अनुभवी प्राचार्य बताते हए उनके कार्य की प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्ति उपरांत भी श्री सिन्हा अपने अनुभवों से शिक्षा जगत को लाभान्वित करते रहेंगे, विद्यालय परिवार उनके कार्यों को सदैव याद रखेगा। उनके कुशल कार्यक्षमता व योगदान हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत हैं, हम सभी कार्यरत शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में बने रहेंगे।

नकली गुटखा बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़

- **उमदा में बन रहा था मौत का सामान, नामी ब्रांड के नाम पर बेचा जा रहा था नकली सामान**

भिलाई। उमदा इलाके में अवैध गुटखा फैक्ट्री चलाए जाने की सूचना के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। रेड के दौरान पुलिस ने मौके से 85 बोरा नकली गुटखा बरामद किया। मौके से नकली गुटखे की खेप के साथ साथ गुटखा बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाला मशीन भी मिला है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दस लोगों को हिरासत में लिया है। नकली गुटखा बनाने का मास्टरमाइंड अबतक नहीं पकड़ा गया है। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही आरोपी साजिद खान को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस पकड़े गए लोगों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है।

सीएसपी छावनी हरीश पाटिल ने बताया कि उमदा इलाके में अवैध तरीके से नकली

पान मसाला बनाया जा रहा था। मौके पर जब हमने रेड किया तो वहां से बड़ी मात्रा में नामी ब्रांड के नाम पर नकली गुटखा की पैकिंग की जा रही थी। पुलिस को लगातार कई दिनों से इस संबंध में शिकायत मिल रही थी। शिकायत के बाद एसपी ने पुलिस को इस संबंध में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। भिलाई तीन के उमदा में जब हम पहुंचे तो वहां से 85 बोरा नकली गुटखा हमने बरामद किया। नकली गुटखे के साथ वहां से मशीन भी बरामद की है।

हरीश पाटिल ने कहा गरुवार सुबह तीन बजे हमने रेड की कार्रवाई की। देर रात से ही पुलिस की टीमें इलाके में निगरानी कर रही थी। सुबह के वक्त जब एक गाड़ी वहां से निकली तो हमने उस गाड़ी की तलाशी ली। जांच के दौरान गाड़ी से बड़ी मात्रा में नकली गुटखा मिला। इस दौरान फैक्ट्री में पुलिस की रेड होने का पता चल गया। फैक्ट्री में जमा लोग जबतक भाग पाते हमने मौके से दस लोगों को दबोच लिया। छावनी सीएसपी हरीश पाटिल ने बताया कि गाड़ी से साठ बोरा और फैक्ट्री से 25 बोरा नकली गुटखा बरामद हुआ। पकड़े गए नकली गुटखे के बोरों की संख्या में कुल 85 है। जिन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है उनसे फैक्ट्री मालिक के बार में पूछताछ की जा रही है। जांच में इस बात का पता चला है कि नकली गुटखा बनाने का काम छावनी इलाके का साजिद खान कर रहा था। पुलिस की टीमें अब साजिद खान की तलाश में दबिश दे रही है।

पहाड़ी पर दिखा तेंदुओं का झुंड, खौफ में जी रहे डुमाली गांव के लोग

कांकेर। पहाड़ों के जंगलों में वन्य जीवों का दिखना आम है, लेकिन जब ये जीव गांवों के आसपास दिखाई दें तो यह गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। खासकर जब वह तेंदुआ हो। हाल ही में कांकेर वन मंडल में तेंदुए की धमक ने लोगों मे खौफ पैदा कर दिया है। कांकेर नगर से लगे डुमाली के पहाड़ों में एक साथ आए दिन तेंदुए का झुंड दिखाई दे रहा है। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम डुमाली में एक साथ पांच तेंदुए नजर आने के बाद विभाग एलर्ट मोड़ पर है।

गौरतलब है कि एक ओर जहां आसपास के ग्रामीण दहशत में हैं तो वहीं शहर के कुछ लोग रात के वक्त तेंदुआ देखने इस इलाके में घूमकर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। लोगों की यह लापरवाही किसी बड़ी घटना का कारण न बन जाये, इसलिए विभाग रात के वक्त उक्त पहाड़ी व आसपास के ग्रामीण इलाके में गश्त कर रही है।

मार्ग से गुजरने वाले लोगों को समझाइश दी जा रही है, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। विभाग के कर्मचारी सहित खुद डीएफओ आलोक बाजपेयी भी इलाके में गश्त कर टीम का मनोबल बढ़ते हुए लोगों को सतर्क रहने की अपील कर रहे हैं। मार्ग सहित आसपास के इलाके में सूचना बोर्ड भी लगाए गए हैं, ताकि लोग इस रास्ते से रात के वक्त या अन्य समय में गुजरते वक्त सावधानी बरतें।

कांकेर डीएफओ आलोक बाजपेयी ने बताया कि हम सभी जगह जनजागरूकता कर रहे हैं। डुमाली गांव के ग्रामीणों और प्रतिनिधियों का सहयोग भी मिल रहा है। बस्ती के आसपास बड़ी-बसी झाड़ियां थी उसकी छटाई भी करवाई गई है। इस सड़क में बहुत सारे वाहन चलते थे। समझाइश के बाद वाहन कम आ रहे हैं। लोगो से अपील करना चाहता हूं कि वन्य प्राणी देखने का कोतुहल बना रहता था, लेकिन हमें अपने पेशेंस पर कंट्रोल करना चाहिए ताकि कोई बड़ा हादसा से बचा जा सके।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों को नवरात्रि पर्व की दी शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को देवी उपासना के पर्व नवरात्रि की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर उन्होंने देवी दुर्गा से सबके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की है। नवरात्रि की पूर्व संध्या पर जारी अपने बधाई संदेश में सीएम साय ने कहा है कि नवरात्रि में शक्ति स्वरूपा देवी दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों की 9 दिनों तक पूरी श्रद्धा और भक्ति-भाव के साथ पूजा की जाती है। कन्याओं को देवी स्वरुप मानकर उनको भोजन कराया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि देवी की आराधना के साथ नारी शक्ति के सम्मान का पर्व है। छत्तीसगढ़ सरकार महिला सुरक्षा, उनके मान-सम्मान की रक्षा और उन्हें आवश्यक सेवा प्रदान करने के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति मान-सम्मान के भाव और उनके गौरव को बनाए रखने के साथ उनके विरूद्ध हिंसा के विरोध के संकल्प से ही सच्चे अर्थों में देवी पूजा सार्थक होगी।

मुख्यमंत्री ने मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की बस को झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज

शारदीय नवरात्रि के पहले दिन मां बम्लेश्वरी के दर्शन लाभ के लिए जा रहे श्रद्धालुओं के बस को मुख्यमंत्री निवास से झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने नवरात्रि के शुभ मौके पर इस पावन यात्रा के लिए श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। सभी श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। मां बम्लेश्वरी के जयकारे और भजन-कीर्तन के साथ यह यात्रा शुरू हुई। गौरतलब है कि मां काली अन्नदान भंडारा समिति द्वारा श्रद्धालुओं को पिछले 09 वर्षों से लगातार नवरात्रि के पावन मौके पर मां बम्लेश्वरी धाम की निःशुल्क यात्रा कराई जाती है। इस वर्ष भी आगामी 5 दिनों तक रोजाना चार बसों के माध्यम से श्रद्धालुओं को मां बम्लेश्वरी दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। इस मौके पर श्री संजय श्रीवास्तव और मां काली अन्नदान भंडारा समिति के अध्यक्ष श्री दीपक भारद्वाज मौजूद रहे।

विधायक रायमुनी के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग

जशपुर। ईसाई समुदाय पर कथित टिप्पणी को लेकर आज ईसाई समाज के लोगों ने 130 कि.मी. की लंबी मानव श्रृंखला बनाकर विधायक रायमुनी भगत के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। समाज के लोगों का कहना है कि इस घटना को लेकर विभिन्न पुलिस थानों में शिकायत दर्ज कराई गई है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से क्षुब्ध होकर ईसाई समाज ने पत्थलगांव से लोदाम तक 130 कि.मी. लम्बी मानव श्रृंखला बनाई। ईसाई समुदाय के नेताओं का आरोप है कि इस टिप्पणी से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। इस वजह ईसाई समुदाय के लोगों ने हाथों में तख्तियां लेकर चिलचिलाती धूप में कतारबद्ध खड़े होकर अपना विरोध दर्ज कराया।

ओवर रेट में शराब बिक्री का मामला जिला आबकारी अधिकारी निलंबित

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के आबकारी अधिकारी मोहित कुमार जयसवाल को निलंबित कर दिया गया है। लगातार आ रहे ओवर रेट और मिलावटी शराब बिक्री की शिकायत के बाद विभागीय अधिकारियों ने बीते दिन जिले के सभी शराब दुकानों में औचक निरीक्षण किया, जिसमें कई कमियां और लापरवाही सामने आई। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद जिला आबकारी अधिकारी जायसवाल को निलंबित कर दिया गया है। दरअसल, 1 अक्टूबर को विभागीय अधिकारियों की टीमों ने जिले के सभी शराब दुकानों में अचानक निरिक्षण किया, जिसमें लगभग सभी शराब दुकानों में साफ-सफाई में कमी, अनुशासन हीनता, मिलावट की शराब बिक्री, कुछ दुकानों में ओवर रेट में शराब बिकना पाया गया। वहीं पिछले साल की तुलना में इस साल जिले में कम बिक्री के दर में कमी आई है। इसके चलते जिला आबकारी अधिकारी जायसवाल को शासकीय कार्य में लापरवाही बहरतने और जिले के शराब दुकानों में नियंत्रण ना रखने को लेकर आज निलंबित कर दिया गया है।

सीजीपीएससी ने जारी किया 703 अभ्यार्थियों के लिए साक्षात्कार की तारीख

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) ने जून 2023 में चयनित 703 अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार की तारीख जारी कर दी गई, साक्षात्कार 15 अक्टूबर से 5 नवंबर तक होगा। पीएससी की तरफ से पिछले दिनों मुख्य परीक्षा के परिणाम जारी किए गए थे। साक्षात्कार तिथि से एक दिन पहले अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन कराना होगा, जो अभ्यर्थी दस्तावेज सत्यापन नहीं कराएंगे उन्हें साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने किया प्रथम छत्तीसगढ़ हरित शिखर सम्मेलन का शुभारंभ

पारंपरिक हर्बल उत्पादों और लोक कला का किया अवलोकन, महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की सराहना की

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित साइंस कॉलेज ग्राउंड परिसर में आज प्रथम छत्तीसगढ़ हरित शिखर सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश की पारंपरिक वन संपदा, औषधीय उत्पादों और सांस्कृतिक धरोहर को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल और प्रदर्शनी लगाई गई थी। मुख्यमंत्री ने इन स्टॉलों का भ्रमण कर उत्पादों की जानकारी ली और कलाकारों व कारीगरों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ वैद्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री दशरथ नेताम द्वारा प्रदर्शित पारंपरिक औषधियों का अवलोकन किया। श्री नेताम ने बताया कि ये औषधियाँ जंगलों से विशेष रूप से चुनकर लाई गई जड़ी-बूटियों से तैयार की जाती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत प्रभावी हैं। उन्होंने इन औषधियों की निर्माण प्रक्रिया और उनके उपयोग के लाभों पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने इन पारंपरिक विधियों के संरक्षण और प्रसार की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी मर्यादित संघ के स्टॉल पर जाकर विभिन्न वन-आधारित उत्पादों जैसे जशपुर के हैंडमेड ग्रीन टी, हर्बल च्यवनप्राश, और बस्तर क्षेत्र के आदिवासी समुदाय द्वारा तैयार किए गए शुद्ध हर्बल उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने हर्बल छत्तीसगढ़ ब्रांड के तहत तैयार शहद, रागी-कोदो कुकीज, आँवला कैंडी, और जामुन रस जैसे उत्पादों को

देखकर हर्ष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा, इन हर्बल उत्पादों को बढ़ावा देने से न केवल स्थानीय महिलाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने देवरी (आरंग) के मोहरी वादक श्री विशाल राम यादव और कोलिहापुरी, दुर्ग के चिकारा वादक श्री मनहरण दास बंजारे के लोक वाद्य प्रदर्शन का आनंद लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पारंपरिक लोक कलाएँ हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं, जिन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने दोनों कलाकारों को उनके संगीत के प्रति समर्पण के लिए बधाई दी।

भित्ति चित्र कलाकार डॉ. शशिप्रिया उपाध्याय ने मुख्यमंत्री को उनकी टीम द्वारा बनाए गए भित्ति चित्रों के बारे में बताया, जिनमें रजवार कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की आदिम संस्कृति, लोक जीवन, और पारंपरिक वेशभूषा को दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि रजवार कला का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को जीवित रखना और इसे नए आयाम देना है। मुख्यमंत्री ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि, ऐसी लोककलाओं के संरक्षण और प्रचार-प्रसार से हमारी सांस्कृतिक धरोहर का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने शासकीय दिव्यांग महाविद्यालय, माना कैम्प के मूक-बधिर विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई चित्रकला प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस दौरान छात्र धनदास बरमते ने स्वनिर्मित लोककला आधारित चित्र मुख्यमंत्री को भेंट किया। मुख्यमंत्री ने इस उपहार को स्वीकारते हुए धनदास की कला की प्रशंसा की और कहा, आपकी यह कला हमारी संस्कृति को नई पहचान देने का कार्य करेगी। उन्होंने धनदास के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक वाद्य यंत्रों के संरक्षण में योगदान देने वाले श्री रिखि क्षत्रिय ने मुख्यमंत्री को अपनी यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। श्री क्षत्रिय ने कहा कि वे पिछले 45 वर्षों से छत्तीसगढ़ी वाद्य यंत्रों—जैसे रुंजू बाजा, घूमरा बाजा और चिरई बाजा—का संरक्षण और प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर छत्तीसगढ़ की झांकी में पारंपरिक वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। श्री क्षत्रिय ने मुख्यमंत्री को रुंजू बाजा भेंट किया और अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन करते हुए घूमरा बाजा से शेर की आवाज और चिरई बाजा से चिडिया़ की आवाज निकालकर उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया। मुख्यमंत्री ने उनके इस अनूठे योगदान की सराहना की और कहा कि ऐसे कलाकार हमारी लोक परंपराओं के सच्चे रक्षक हैं।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को मिला मंच

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ हरित शिखर सम्मेलन जैसे आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर, पारंपरिक उत्पादों और हस्तशिल्प को प्रोत्साहित करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करते हैं। ये आयोजन हमारे पारंपरिक ज्ञान और संस्कृति को सहेजने के साथ-साथ, इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी सहायक हैं।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कला प्रेमियों और स्थानीय निवासियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रयासों की सराहना की। साथ ही, मुख्यमंत्री ने सभी कलाकारों, कारीगरों, और प्रतिभागियों को प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और संवर्धित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

धान खरीदी में गड़बड़ी करने वाला प्रभारी गिरफ्तार

मुंगेली। जिले के फास्टरपुर थाना क्षेत्र में स्थित धान उपार्जन केंद्र छटन में धान खरीदी में अनियमितता के मामले में विभागीय जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। भौतिक सत्यापन के दौरान 1582 क्विंटल धान की कीमत 49,04,200 रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में आरोपी पूर्णेन्द्र यादव (42 वर्ष) मुंगेली निवासी को बिलासपुर से गिरफ्तार किया गया है।

प्रार्थी विरेन्द्र टण्डन शाखा प्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, सेतगंगा ने 8 जुलाई 2024 को लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराई। इसमें बताया गया कि सहायक आयुक्त सहकारिता एवं सहायक पंजीयक मुंगेली के आदेशानुसार 19 जून 2024 को धान खरीदी केंद्र छटन का निरीक्षण और भौतिक सत्यापन किया गया।

इस दौरान धान खरीदी प्रभारी पूर्णेन्द्र यादव द्वारा उपलब्ध कराए गए अभिलेख, ऑनलाइन धान खरीदी और बारदाना रिपोर्ट के अनुसार भौतिक रूप से उपलब्ध धान का मिलान किया गया। जांच में पाया गया कि वर्ष 2023-24 में उपार्जन केंद्र छटन में कुल 87,443.60 क्विंटल धान खरीदी गई थी, जिसमें से 81,907.60 क्विंटल धान मिलर्स को परिदान किया गया। लेकिन धान खरीदी केंद्र के स्टॉक में मात्र 6,500 बोरे ही भरे मिले, जबकि 3,955 बोरे के अनुमानित वजन में 1582 क्विंटल की कमी पाई गई।

इस तरह धान खरीदी प्रभारी पूर्णेन्द्र यादव पर धोखाधड़ी और अमानत में खयानत करने के आरोप में पुलिस ने धारा 420 और 409 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया। इधर एफआईआर दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया और अब उसे जेल भेज दिया गया है।

भाजपा ने कांग्रेस राज्यसभा सांसदों का पोस्टर जारी कर लिखा- लापता

रायपुर। भाजपा का कांग्रेस पर पोस्टर वार जारी है। भाजपा छत्तीसगढ़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस के राज्यसभा सांसदों के कार्टून पोस्टर जारी कर निशाना साधा है। कांग्रेस राज्यसभा सांसदों पर लापता पोस्टर से जारी कर बीजेपी ने निशाना साधा है।

भाजपा ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर लिखा है कि छत्तीसगढ़ियों का हक मारने वाले कांग्रेसियों के सांसद लापता हैं। जनता के साथ-साथ कांग्रेस के कार्यकर्ता भी इन्हें ढूंढ रहे हैं। किसी को मिले तो राजीव भवन, रायपुर में संपर्क करें।

कांग्रेस ने किया पलटवार

वहीं भाजपा के इस पोस्टर वार को लेकर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि

भाजपा के खिलाफ पूरे प्रदेश में वातावरण बना है और मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा नये-नये प्रपंच रचती है। कांग्रेस के तीन सांसद कहां लापता है, ये सवाल उठा रहे हैं। तीनों सांसद छत्तीसगढ़ की आवाज लगातार उठाकर केंद्र की बीजेपी सरकार की नाक में दम किए हुए हैं। लापता पोस्टर जारी करने के बजाए, बीजेपी ये बताए कि नौ महीने में प्रदेश की कानून व्यवस्था कैसे खस्ता हो गई।

कांग्रेस की न्याय यात्रा पर सियासत

जिनके नाम थाने में दर्ज वे न्याय की गुहार लगा रहे: मूणत

बैज का पलटवार, बोले-घबराई हुई है सरकार

रायपुर। कांग्रेस की न्याय यात्रा पर भाजपा विधायक राजेश मूणत ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, अपने कैलीबर को जनता के बीच उदय करने कांग्रेसी घूम रहे हैं। कांग्रेस अपनी जमीन तलाश रही है। गुटबाजी कांग्रेस की जननी है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव हारे हैं, अब निकाय भी हारेंगे। मूणत ने कहा, थानों में जिनके खुद के नाम में जुर्म दर्ज है, वह न्याय की गुहार लगा रहे हैं। मूणत के इस बयान पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पलटवार किया है।

बैज ने कहा, अब कांग्रेस क्या राजेश मूणत को पूछकर यात्रा निकालेगी। राजेश मूणत ने जिस मुद्दे को लेकर अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की थी उसको प्रदेश की जनता ने देखा है। हमारे हर कार्यक्रमों में सीनियर नेता एक साथ मिलकर सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं। इसका नतीजा है कि सरकार पूरी तरह से घबराई है इसीलिए राजेश मूणत इस तरह का बयान दे रहे हैं।

कांग्रेस की न्याय यात्रा पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, यात्रा का समापन नहीं विराम है। 125 किमी यात्रा की शानदार सफलता के बाद प्रदेश की जनता तक अच्छा संदेश गया। प्रदेश में बढ़ते अपराध के बीच कांग्रेस की न्याय यात्रा से लोगों में उम्मीद जगी है। कांग्रेस ने न्याय की लड़ाई लड़ने का जनता को भरोसा दिलाया है। आगे नई रणनीति के साथ कांग्रेस पार्टी सरकार के खिलाफ लड़ने को तैयार है।

जल जीवन मिशन के संचालक भुरे ने किया कार्यों का निरीक्षण

- **उच्च स्तरीय जलागार, सोलर आधारित योजना, नल कनेक्शन एवं पाइपलाइन की जांच की**

रायपुर। जल जीवन मिशन के संचालक डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कांकेर और कोंडागांव जिले में मिशन के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कांकेर जिले के चारामा विकासखंड के ग्राम रतेडीह, कुरुटोला, कानापोड़ एवं डेढ़कोहका में विभागीय अधिकारियों के साथ कार्यों का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। डॉ. भुरे ने कोंडागांव जिले के केशकाल विकासखंड के गुलबापारा में भी मिशन के अंतर्गत किए गए कार्यों का अवलोकन किया।

जल जीवन मिशन के संचालक डॉ. भुरे ने इन गांवों में मिशन के तहत बनाए गए उच्च स्तरीय जलागार, सोलर आधारित योजना, नल कनेक्शन, पाइपलाइन एवं अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच की। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर नल के माध्यम से जल आपूर्ति की जानकारी ली। डॉ. भुरे ने विभागीय अधिकारियों को जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मिशन के कार्यों के निरीक्षण के दौरान उनके साथ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कोंडागांव मंडल के अधीक्षण अभियंता श्री जी.एल. लखेरा, कांकेर के कार्यपालन अभियंता श्री बी.एन. भोयर, कोंडागांव के कार्यपालन अभियंता श्री विरेन्द्र पाण्डेय, सहायक अभियंता श्री राजेश हिरकने, उप अभियंता श्री आर.पी. जोशी और कु0 निभा कोर्राम सहित सरपंच एवं स्थानीय ग्रामीण भी मौजूद थे।

प्रदेश की खराब सड़कों पर हाईकोर्ट में सुनवाई, चीफ जस्टिस ने लगाई फटकार

बिलासपुर। प्रदेश की खराब सड़कों को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। इस दौरान चीफ जस्टिस ने गहरी नाराजगी जताते हुए अफसरों से पूछा कि राज्य सरकार ने सड़कों की मरम्मत करने और नई सड़कें बनाने ग्रांट जारी कर दिया है। इस पर कब तक काम शुरू होगा। सीजे ने पूछा फंड का यूज होगा या फिर मिसयूज। कोर्ट ने एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी व नगर निगम को शपथ पत्र के साथ प्रोग्रेस रिपोर्ट की जानकारी पेश करने कहा है। मामले की सुनवाई अब 18 नवंबर को होगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार-1
मंदिर हसौद
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ: जिला रायपुर तहसील मंदिर हसौद प.ह.न.-00010 टेकरी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202425440201200001

ईश्तहार

तहसील मंदिर हसौद के प.ह.न. 00010 के अंतर्गत ग्राम टेकरी के वर्तमान भूमिस्वामी शत्रुहन प्रसाद पिता/पति-पि. शारदा प्रसाद पता-सा. देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 594(5.6100), 1549/1(0.1600), 642(0.2400), 673(0.1200), 97(2.1500), 756(0.1200), 723 (0.1100), 236(1.7300), 957(0.1100), 99(0.9000), 901(0.8100), 372 (0.6900), 1396(0.2500) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता स्वाति शुक्ला पिता/पति-स्व. शत्रुहन प्रसाद पता-रायपुर, शशांक शर्मा पिता/पति-स्व. शत्रुहन प्रसाद पता-रायपुर भारती शर्मा पिता/पति-स्व. शत्रुहन प्रसाद पता-रायपुर, सोनल तिवारी पिता/पति-स्व. शत्रुहन प्रसाद पता-रायपुर, समीर शर्मा पिता/पति-स्व. शत्रुहन प्रसाद पता-रायपुर के नाम पर पंजीयन फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/10/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 1, मंदिर हसौद पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनाक 03/10/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार- Raj kumar sahu
मंदिर हसौद

न्यायालय नायब तहसीलदार-1
मंदिर हसौद
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ: जिला- रायपुर तहसील-मंदिर हसौद प.ह.नं. 00010 टेकरी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक -RD202425440201200002

ईश्तहार

तहसील मंदिर हसौद के प.ह.न. 00010 के अंतर्गत ग्राम टेकरी के वर्तमान भूमिस्वामी विनोद कुमार पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा टेकारी, प्रवीण कुमार पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा टेकारी, चंद्रमुखी पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा. देह, शत्रुहन प्रसाद पिता/पति-शारदा प्रसाद पता-सा टेकारी भूपेंद्र कुमार पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा. देह, ईशान पिता/पति-प्रमोद कुमार पता-सा टेकारी अरुण कुमार पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा टेकारी, प्रशांत कुमार पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा टेकारी, रश्मि पिता/पति-प्रमोद कुमार पता-सा टेकारी के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 600(0.0900), 720(0.6100), 758(0.9200), 774(0.3000), 952(0.1500), 782(0.0700), 1146 (2.9000) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता रश्मि पिता/पति-प्रमोद कुमार पता-सा टेकारी चंद्रमुखी पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा. देह, भारती शर्मा पिता/पति-स्व. शत्रुहन प्रसाद पता-रायपुर, भूपेंद्र कुमार पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा. देह , शशांक शर्मा पिता/पति-स्व. शत्रुहन प्रसाद पता-रायपुर, अरुण कुमार पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा टेकारी समीर शर्मा पिता/पति-स्व. शत्रुहन प्रसाद पता-रायपुर, प्रशांत कुमार पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा टेकारी प्रवीण कुमार पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा टेकारी, ईशान पिता/पति-प्रमोद कुमार पता-सा टेकारी सोनल तिवारी पिता/पति-स्व. शत्रुहन प्रसाद पता-रायपुर, विनोद कुमार पिता/पति-दुर्गा प्रसाद पता-सा टेकारी, स्वाति शुक्ला पिता/पति-स्व. शत्रुहन प्रसाद पता-रायपुर के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/10/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 1, मंदिर हसौद पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/10/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार- Raj kumar sahu
मंदिर हसौद

गरबा में फूहड़ता होने पर करेंगे विरोध: सर्व हिंदू समाज

रायपुर। राजधानी रायपुर में हर साल की तरह इस बार भी सर्व हिंदू समाज गरबा में होने वाले फूहड़ता को लेकर विरोध करेगा। सर्व हिंदू समाज का मानना है कि नवरात्रि के दौरान लोग कई स्थानों पर गरबा के आयोजन में हिस्सा लेते हैं। लेकिन कुछ जगहों पर गरबा के नाम पर फूहड़ता होती है। सर्व हिंदू समाज इसे सामाज के लिए हानिकारक और हिंदू संस्कृति के खिलाफ मानती है।

सर्व हिंदू समाज ने गरबा में होने वाले फूहड़ता के खिलाफ कार्रवाई के लिए तैयारी कर लिया है। इसके लिए सर्व हिंदू समाज की ओर से 10-10 लोगों की 10 टोली बनाई गई है, जो गरबा जैसे आयोजन स्थल पर जाकर अपनी ड्यूटी करेंगे। इसके साथ ही फूहड़ता होने या कुछ जगहों से वायरल वीडियो मिलने पर पुलिस प्रशासन से कार्रवाई कराने का फैसला लिया गया है। ऐसा होने पर सर्व हिंदू समाज कार्रवाई की मांग पुलिस और प्रशासन से करेगा। आयोजन स्थल पर गरबा बंद कराने का काम भी सर्व हिंदू समाज करेगा।

संरक्षक राहुल राव ने कहा नवरात्रि के दौरान सभी गरबा समिति के लोगों को एक सूचना और

चेतावनी है कि आपके गरबा में किसी भी प्रकार का अभद्रता होता है तो उस गरबा को बंद करा दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रशासन से विनती की जाएगी कि ऐसे गरबा समिति को दोबारा गरबा आयोजन की अनुमति नहीं दी जाए। गरबा के दौरान खास तौर पर परिधान या ड्रेस पर ध्यान दिया जाए। हिंदू संस्कृति के अनुसार परिधान के साथ लोग गरबा स्थल में पहुंचे।

सर्व हिंदू समाज ने गरबा समितियों से इस बात का आग्रह किया है कि गरबा में आने वाले लोगों के लिए आधार कार्ड को अनिवार्य किया जाए। आधार कार्ड लागू करना इसलिए भी जरूरी है कि जो बाहर से विशेष समुदाय के लोग आते हैं। लड़ाई झगड़ा करने के साथ ही चाकूबाजी जैसी घटनाएं भी हो जाती है।

सर्व हिंदू समाज ने कहा माता की उपासना का एक माध्यम रास गरबा अपनी पूर्ण पवित्रता के साथ रायपुर शहर ही नहीं बल्कि प्रदेश में किया जाना चाहिए। जिसमें अभद्रता फूहड़ता और अव्यवस्था किसी भी कीमत पर हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। ऐसी शिकायत मिलने पर हम उसका विरोध करेंगे।

सर्व हिंदू समाज का कहना है कि गरबा आयोजन करने वाले समितियां को फिल्मी गानों की बजाय पारंपरिक भक्ति गीत पर ही गरबा का आयोजन किया जाए। फिल्मी गाने की शिकायत मिली तो उसे पर भी सर्व हिंदू समाज विरोध करेगा और उसे बंद करवाने की मांग प्रशासन से करेगा।

आयोजन समिति के द्वारा जिस जगह पर गरबा का आयोजन किया जा रहा है वहां पर महिलाओं के लिए खास तौर पर शौचालय की व्यवस्था की जाए। महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। आयोजक मंडल प्रशासन के साथ निजी सुरक्षा कर्मी भी वहां पर लगाई जाए। महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला सुरक्षाकर्मी की भी व्यवस्था की जाए।

विरासत की जंग में बदला भाजपा-कांग्रेस का मुकाबला

आशीष वर्मा

अरावली पर्वत शृंखला की तलहटी में बसे तोशाम में चुनाव एक अलग ही रंग में रंगा है। यहां भाजपा ने बंसीलाल की पोती व पूर्व सांसद श्रुति चौधरी को मैदान उतारा है। कांग्रेस ने बंसीलाल के ही पोते अनिरुद्ध चौधरी को उम्मीदवार बनाकर मुकाबले को रोचक बना दिया है। श्रुति को बंसीलाल की राजनीति का उत्तराधिकारी माना जाता है, मगर अनिरुद्ध खुद को बंसीलाल का वारिस बताते हैं। इससे चुनावी लड़ाई भाजपा-कांग्रेस के साथ बंसीलाल के असल राजनीतिक विरासत की जंग में बदल गई है। श्रुति को बंसीलाल की विरासत के साथ, उनकी राज्यसभा सांसद मां किरण चौधरी, विकास कार्यों व गैर जाट वोटों का सहारा है। दूसरी ओर, अनिरुद्ध खुद को बंसीलाल का असल वारिस बता किरण के पारंपरिक वोटों में सेंध लगाते हुए सत्ता विरोधी वोटों के सहारे चंडीगढ़ पहुंचने का रास्ता बना रहे हैं। मुकाबला इतना कड़ा है कि अभी इस बात का अंदाजा लगाना मुश्किल है कि पलड़ा किसका भारी है। तोशाम आधुनिक हरियाणा के निर्माता पूर्व सीएम चौधरी बंसीलाल की परंपरागत सीट रही है। अब तक हुए 14 विधानसभा चुनाव (उपचुनाव सहित) में दो को छोड़ हर बार बंसीलाल परिवार ने जीत हासिल की है। किरण लगातार चार बार से विधायक रही हैं। चारों ही चुनाव में उन्हें कोई मुश्किल नहीं आई। हर बार चुनाव एकतरफा रहा है। मगर इस बार उन्हें अपनी बेटी के लिए काफी पसीना बहाना पड़ रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के दिग्गज नेता व पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की कड़वाहट के चलते वह अपनी बेटी श्रुति चौधरी के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गई हैं। भाजपा ने किरण को राज्यसभा में भेजा और श्रुति को तोशाम से टिकट दे दिया। बस यही से उनकी राह थोड़ी मुश्किल हो गई। पटौदी कलां गांव के निवासी करतार सिंह कहते हैं कि यदि श्रुति भाजपा में शामिल नहीं होती थी तो उनकी एकतरफा जीत होती। भाजपा में जाने से उनके कुछ कार्यकर्ता नाराज हैं। कार्यकर्ताओं के लिए भावनाएं बदलना इतना आसान नहीं होता। इसी गांव के अतर सिंह कहते हैं कि किरण चौधरी ने तोशाम में काफी विकास कार्य करवाए हैं। वह अकसर लोगों के बीच रहती हैं। तोशाम शहर के दुकानदार धनीराम का कहना है कि किरण ही तोशाम में कॉलेज, झील और हर्बल पार्क लेकर आई हैं, इसलिए वह इस बार भी चुनाव जीतेंगी। कांग्रेस के उम्मीदवार अनिरुद्ध चौधरी का यह पहला चुनाव है। वह बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष रहे हैं। उनके पिता रणबीर महेंद्रा बीसीबीआई के अध्यक्ष रह चुके हैं। रणबीर कांग्रेस के टिकट पर पांच बार चुनाव लड़े, मगर जीत सिर्फ एक बार हासिल हुई है। अनिरुद्ध अपनी चुनावी रैलियों में कहते हैं कि तोशाम विकास के मामले में सूखा झेल रहा है। जैसा चौधरी बंसीलाल तोशाम को छोड़ गए थे, वो वैसा ही है। लोग अब बदलाव चाहते हैं। वह अपने दादा के नक्शे कदम पर चलकर पूरे इलाके का सामूहिक विकास करवाएंगे। तोशाम कस्बे के ही धर्मपाल कहते हैं कि यह चुनाव बदलाव को लेकर है। अनिरुद्ध नया है और बंसीलाल परिवार का है। उसे भी एक बार मौका मिलना चाहिए। तोशाम से कुछ दूरी आगे चलने पर संडवा गांव आता है, जो जाट बहुल है। इस गांव के सज्जन सिंह कहते हैं कि मुकाबला बराबरी का है। अनिरुद्ध को भी लोग पसंद कर रहे हैं। भाजपा की खिलाफत होने की वजह से अनिरुद्ध को फायदा मिल रहा है तो श्रुति को चुनौती झेलनी पड़ रही है, लेकिन श्रुति के पक्ष में काफी लोग हैं। यह दूसरी बार है जब बंसीलाल की अगली पीढ़ी के सदस्य एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। 1998 में श्रुति के पिता सुरेंद्र सिंह ने अनिरुद्ध के पिता रणबीर सिंह महेंद्रा को भिवानी लोकसभा सीट से हराया था। उस समय सुरेंद्र हरियाणा विकास पार्टी से चुनाव लड़ रहे थे और रणबीर कांग्रेस के टिकट पर। अब 26 साल बाद तीसरी पीढ़ी एक दूसरे के सामने हैं। भाजपा के बागी शशि रंजन परमार तोशाम से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। हाल ही उनका एक वीडियो काफी वायरल हुआ था, जिसमें पत्रकार से बातचीत करते वक्त उनकी आंखों से आंसू छलक उठे थे। भाजपा ने उनका टिकट काट श्रुति को दिया था।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मायने

केसी त्यागी

एक देश, एक चुनाव' का प्रस्ताव इसलिए तर्कसंगत है कि मौजूदा चुनावी संरचना में कोई न कोई राज्य चुनाव में व्यस्त रहता है। आचार संहिता लागू हो जाने से सरकार और मतदाता दोनों के रोजमर्रा के कार्य प्रभावित होते हैं। इस दौरान न तो कोई नीतिगत घोषणा हो पाती है, न ही उसका क्रियान्वयन। मंत्रियों समेत प्रशासनिक अधिकारियों की चुनावी प्रक्रिया में व्यस्तता से विकास और जनकल्याण के कार्य ठप रहते हैं। बार-बार चुनाव होने से उम्मीदवारों द्वारा वहन किया गया अतिरिक्त खर्च भी देश में काले धन के प्रवाह को गति देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मुद्दे पर कार्यरत रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा इसका समर्थन किये जाने के बाद इन प्रयासों को काफी बल मिला। पूर्व राष्ट्रपति डॉ रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का सितंबर 2023 में गठन किया गया, जिसमें अमित शाह, गुलाम नबी आजाद, एनके सिंह, सुभाष कश्यप और हरीश साल्वे जैसे नामचीन लोग शामिल थे। इस समिति ने 14 मार्च, 2024 को 18,626 पृष्ठों की रपट राष्ट्रपति को सौंपी। समिति ने अपनी सिफारिशों के साथ संविधान में अनेक प्रावधान करने का सुझाव भी दिया है। अधिकांश संवैधानिक प्रावधानों के संशोधन के लिए राज्यों के समर्थन की आवश्यकता होगी। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' एक अवधारणा है, जो भारत में संसदीय, राज्य समेत सभी चुनाव एक निश्चित अंतराल पर, आम तौर पर हर पांच साल में, आयोजित करने की वकालत करती है। यह नयी अवधारणा नहीं है, इस पर पहले भी चर्चा होती रही है। वर्ष 1951-52, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हो चुके हैं। वर्ष 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय पूर्व भंग होने से पहली बार एक साथ चुनाव होने का चक्र बाधित हुआ था। चौथी लोकसभा भी समय से पहले भंग कर दी गयी थी, जिसकी वजह से 1971 में चुनाव हुए।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विचार पहली बार औपचारिक रूप से चुनाव आयोग ने 1983 में अपनी रिपोर्ट में प्रस्तावित किया था। आयोग ने सुझाव दिया था कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से चुनावों की आवृत्ति और संबंधित लागत कम हो सकती है। विधि आयोग ने भी इस मुद्दे पर सुझाव देते हुए अनेक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। पिछले दिनों हुई सर्वदलीय बैठक ने इस बहस को फिर गर्म कर दिया है। राष्ट्रपति द्वारा भी 17वीं लोकसभा के पहले संयुक्त सत्र में इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने की अपील इस विषय पर उनकी और केंद्र सरकार की प्राथमिकता जाहिर करती है। सर्वदलीय बैठक में एक समिति की घोषणा जरूर हुई, लेकिन विमर्श और आम सहमति की राह बनती नहीं दिखी। इसे लेकर विपक्ष भी विभाजित दिखा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, टीडीपी और डीएमके समेत 16 दलों का बैठक से दूर रहना इस मुद्दे को पूर्णतया खारिज करने जैसा है, जबकि बैठक में शामिल एनडीए के घटक दलों समेत 21 दलों का समर्थन इस विचार को तेज गति प्रदान करने की पहली सफल कोशिश है। सीपीआइ और सीपीएम ने इसके क्रियान्वयन को लेकर चिंता जाहिर की है, लेकिन वैचारिक रूप से ये एक साथ चुनाव के समर्थन में हैं। किसी भी मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बहस लोकतंत्र की खूबसूरती है, पर प्रधानमंत्री द्वारा इतने महत्वपूर्ण विषय पर आहूत बैठक से कुछ दलों का दूरी बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों की अवहेलना है।

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन इस पर बिंदुवार विचार कर अमल में लाना देशहित में है। विपक्ष की चिंता है कि मौजूदा सरकार अपने प्रभाव और प्रमुख कार्यक्रमों के जरिये चुनाव प्रभावित करने में कामयाब हो सकती है। ऐसे में स्थानीय मुद्दे गौण हो सकते हैं, लेकिन यह विचार सिर्फ अवधारणाओं तक सीमित है। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला था, पर उसके तुरंत बाद कई विधानसभा चुनावों में उसे पराजय मिली। इस बार के लोकसभा चुनाव में लगभग 60 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यह राशि देश के राजस्व में बड़ी सेंध लगाती है। राजनीतिक पार्टियों के खर्चे पर कोई लगाम न होने के कारण चुनावी व्यय में निरंतर वृद्धि हो रही है। एक साथ चुनाव से खर्चों में काफी कमी आयेगी। इससे करदाताओं की मोटी रकम का इस्तेमाल विकास कार्यों में हो पायेगा। साल 1951 से 1967 तक सभी चुनाव एक साथ ही हुए थे। वर्ष 1968-69 के दौरान कुछ विधानसभाओं के पांच वर्ष पूरे नहीं हो पाने की स्थिति में यह प्रक्रिया अनियमित हो गयी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में 'पंचायत से पार्लियामेंट तक' के चुनाव साथ कराये जाने के विचार को भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की पहल मान कर विपक्ष विरोधी स्वर अख्तियार किये हुए है, पर इसे भाजपा या कांग्रेस की पहल के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

वर्ष 1999 में जस्टिस बीपी जीवन रेड्डी द्वारा चुनाव सुधार पर अपनी 170वीं रिपोर्ट में 'एक साथ चुनाव' कराने की सिफारिश की जा चुकी है। वर्ष 2015 में संसद की स्थायी समिति ने भी इसकी सिफारिश की। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी भी देश में पूरे साल कोई न कोई चुनाव रहने से सरकार का सामान्य कामकाज प्रभावित होने को लेकर फिक्र जता चुके हैं। 'एक देश, एक चुनाव' का प्रस्ताव इसलिए तर्कसंगत है कि मौजूदा चुनावी संरचना में कोई न कोई राज्य चुनाव में व्यस्त रहता है। आचार संहिता लागू हो जाने से सरकार और मतदाता दोनों के रोजमर्रा के कार्य प्रभावित होते हैं। इस दौरान न तो कोई नीतिगत घोषणा हो पाती है, न ही उसका क्रियान्वयन। मंत्रियों समेत प्रशासनिक अधिकारियों की चुनावी प्रक्रिया में व्यस्तता से विकास और जनकल्याण के कार्य ठप रहते हैं। बार-बार चुनाव होने से उम्मीदवारों द्वारा वहन किया गया अतिरिक्त खर्च भी देश में काले धन के प्रवाह को गति देता है। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, राजनीतिक पार्टियों के कुल चंदे का लगभग 70 से 80 फीसदी हिस्सा अज्ञात स्रोतों से प्राप्त होता है।

तमाम अनुशंसाओं के बावजूद एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू करना आसान नहीं है। सबसे व्यावहारिक सवाल यह है कि वर्तमान संसदीय प्रणाली में बहुमत की सरकार यदि अल्पमत में आ जाए, तो विकल्प क्या होगा। इस स्थिति में पुन: चुनाव की कवायद प्रचलन में है। एक साथ चुनाव कराने के लिए भंग लोकसभा या विधानसभा को शेष अवधि तक के लिए स्थगित रखना या फिर बहुमत खो चुकी सरकार का सत्ता में बने रहना भी लोकतांत्रिक जनादेश के लिए अपमानजनक होगा। संविधान के अनुच्छेद 356 के उपयोग तथा उसके बाद की दशा भी चिंता का विषय होगी। संविधान संशोधन के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी, जो वर्तमान परिदृश्य में चुनौतीपूर्ण है। इस क्रम में कई राज्य सरकारों की कुर्बानी पांच वर्ष से पहले देनी पड़ सकती है। इसलिए प्रस्तावित सिफारिशों के लिए आम सहमति जरूरी है। यह पहल ऐतिहासिक है, इसलिए इसकी दूरगामी चुनौतियों को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

उपनिषद्-ग्रंथ

गतांक से आगे...

डाक्टर बुलर आदि पाश्चात्य विद्वानों ने सूत्रग्रन्थों को, विशेषतया आपस्तम्बधर्मसूत्र को, पाणिनि से पूर्व का बना हुआ तथा बौद्ध जैन समय से 5, 6 सौ वर्ष पूर्व का ठहराया है। पाठक इस बात से तो खूब परिचित होंगे कि पाश्चात्य विद्वान् अनादि वेदों का समय अधिक से अधिक ईसा पूर्व 4 हजार वर्ष ठहराते हैं।

उक्त समालोचकों के समय निर्णय पर हम कुछ न कहते हुए अपने पाठकों का ध्यान केवल इस बात की ओर आकृष्ट करना चाहते हैं कि पाश्चात्य विद्वानों की सम्मति में भी सूत्रकाल वैदिककाल के अतिनिकट ठहरता है । अत: आपस्तम्ब धर्मसूत्र में स्पष्ट शब्दों में पुराणे श्लोकावुदाहरन्ति कहकर ब्रह्माण्ड पुराण के श्लोक उद्धृत करना सिद्ध कर रहा है कि उस समय से पूर्व ही पुराण-ग्रन्थों का रूपान्तर में सूत्रपात हो चुका था। ब्रह्माण्डपुराण गणना में बहुमत से 18ाँ पुराण है। यदि गणनाक्रम के दृष्टिकोण से इसका परीक्षण किया जाय तब तो सभी पुराणों का सूत्रकाल से पूर्व रूपान्तर में होना सिद्ध होता है तथा भविष्यत्पुराण का साक्षात् नाम आ जाने से यह भी विदित होता है कि उस समय पुराणों के वर्तमान नामों का भी विषय व्यवस्था के अनुसार व्यवहार होता था।

छान्दोग्य उपनिषद् में वर्णन आता है कि एक बार नारद मुनि पढ़ने के लिये सनत्कुमार के पास गये। सनत्कुमार ने पूछा कि अब से प्रथम तुमने क्या 2 पढ़ा है? नारद ने कहा - (60) ऋग्वेदं भगवोऽध्येमि यजुर्वेद सामवेदमाथर्वणं चतुर्थमितिहासपुराणं पञ्चमं वेदानां वेदम् । (छान्दोग्य0 7।1।2)

अर्थात् - (10 राजाराम प्रोफेसर का भाषार्थ) नारद ने कहा भगवन् ! मैं ऋग्वेद पढ़ा हूं तथा यजुर्वेद सामवेद और चौथा आथर्वणवेद पांचवां इतिहास पुराण वेदों का वेद ।

क्रमश: ...

अंतर्राष्ट्रीय पशु दिवस

मीनाक्षी राय

दुनिया भर में 4 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय पशु दिवस मनाया जाता है। इस दिन पशुओं के अधिकारों और उनके कल्याण से संबंधित विभिन्न कारणों की समीक्षा की जाती है विश्व पशु दिवस के अवसर पर पशुओं की विभिन्न प्रजातियों को विलुप्त होने से बचाने और उनके संरक्षण को लेकर चर्चा की जाती है। विश्व पशु दिवस को असीसी के सेंट फ्रांसिस के जन्मदिवस पर उनकी याद में मनाया जाता है, जो एक पशु प्रेमी और जानवरों के महान संरक्षक थे । पहली बार विश्व पशु दिवस का आयोजन हेनरिक जिमरमन ने 24 मार्च, 1925 को जर्मनी के बर्लिन में स्थित स्पोर्ट्स पैलेस में किया था। किंतु वर्ष 1929 से यह दिवस 4 अक्टूबर को मनाया जाने लगा। कार्यक्रम की स्थापना का उद्देश्य जानवरों के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, दयालु उपचार को बढ़ावा देने और उनके अधिकारों की वकालत करने के लिए समर्पित एक दिन बनाना था।

विश्व पशु दिवस विभिन्न जानवरों से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें पशु क्रूरता, लुप्तप्राय प्रजातियां, निवास स्थान की हानि और पशु साम्राज्य पर मानव गतिविधियों का प्रभाव शामिल है। यह व्यक्तियों को इन मुद्दों के बारे में खुद को और दूसरों को शिक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

यह दिन जानवरों के अधिकारों और कल्याण के लिए वकालत को प्रोत्साहित करता है। यह इस विचार को बढ़ावा देता है कि जानवरों के साथ दया और सम्मान का व्यवहार किया जाना चाहिए और उनके अधिकारों को कानून के तहत संरक्षित किया जाना चाहिए।

विश्व पशु दिवस जानवरों के प्रति करुणा के महत्व पर जोर देता है। यह लोगों को जानवरों की भावनाओं और जरूरतों पर विचार करने और ऐसे विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करता है जो उनकी भलाई को बढ़ावा देते हैं।

यह दिन पृथ्वी पर जीवन की समृद्ध विविधता का भी जश्न मनाता है। यह हमें हमारे ग्रह पर मौजूद अनगिनत प्रजातियों की याद दिलाता है, जिनमें से प्रत्येक पारिस्थितिकी तंत्र में एक अनूठी भूमिका निभाती है

वनों की कटाई, शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन के कारण कई पशु प्रजातियाँ अपना आवास खो रही हैं। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है और अनगिनत प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है। अवैध शिकार और वन्यजीवों और उनके उत्पादों का अवैध व्यापार कई प्रजातियों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है, खासकर हाथियों, गैंडों और पैंगोलिन जैसी उच्च बाजार मूल्य वाली प्रजातियों के लिए। जानवर भी जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होते हैं, जो पारिस्थितिक तंत्र को बाधित करता है, प्रवासन पैटर्न को बदलता है और भोजन और पानी तक उनकी पहुंच को खतरे में डालता है।

म्यांमार की शांति वार्ता की पेशकश

केएस तोमर

पिछले करीब साढ़े तीन वर्षों से चले आ रहे गृहयुद्ध से बेहाल म्यांमार की सेना जुंटा द्वारा जातीय सशस्त्र समूहों को दिया गया शांति वार्ता का प्रस्ताव क्षेत्रीय स्थिरता, खासकर भारत के संदर्भ में काफी मायने रखता है। म्यांमार के साथ लगती 1643 किलोमीटर की सीमा पर स्थित मणिपुर खुद को नाजुक मोड़ पर पाता है। इन प्रस्तावित वार्ताओं के नतीजे या तो अधिक सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेंगे या फिर मौजूदा संघर्ष को और आगे बढ़ा सकते हैं, जिसने ऐतिहासिक रूप से इस क्षेत्र को अस्थिर कर रखा है। अगर जुंटा के प्रस्ताव का परिणाम सुखद निकलता है, तो यह सभी के लिए बेहतर होगा। लेकिन, अगर प्रमुख समूह खुद को इस प्रक्रिया में उपेक्षित महसूस करते हैं, तो मणिपुर में अशांति और हिंसा बढ़ने की भी आशंका है। फिलहाल मणिपुर जिन संघर्षों से जूझ रहा है, उनकी जड़ें इसके विविध समुदायों के बीच स्वायत्तता और जातीय पहचान की निरंतर खोज में गहराई तक निहित हैं।

पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) जैसे संगठनों ने साझा सांस्कृतिक संबंधों और क्षेत्र के चुनौतीपूर्ण भूगोल का लाभ उठाते हुए सीमा पार जातीय गुटों के साथ जटिल गठबंधन स्थापित किए। इसके अतिरिक्त, नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (एनएससीएन) और यूएनएलएफ जैसे समूह भी म्यांमार में सशस्त्र गुटों के साथ संबंध बनाकर रखते हैं। खासकर नगा और कुकी-चिन समुदायों के बीच का परिदृश्य जातीय संबद्धता को जटिल बनाता है। शांतिवार्ता के नतीजे या तो इन संबंधों को बाधित करेंगे या फिर समाधान का कोई रास्ता निकालेंगे।

एनएससीएन, पीएलए और यूएनएलएफ जैसे विद्रोही समूहों के म्यांमार के सशस्त्र समूहों के साथ स्थापित संबंधों की वजह से मणिपुर में अशांति रहती है। यदि शांति वार्ता सफल रहती है, तो इससे भारत-म्यांमार सीमा पर माहौल में स्थिरता कायम होगी। युद्धविराम या समझौता विद्रोहियों और हथियारों की आवाजाही को कम कर सकता है, जिससे भारत में विद्रोही समूहों को म्यांमार से मिल रहा समर्थन कमजोर हो सकता है। सीमा प्रबंधन में भारत और म्यांमार के बीच सहयोग बढ़ने से पूर्वोत्तर क्षेत्र में सुरक्षा मजबूत होगी। लेकिन अगर, संघर्ष के दौरान शांति वार्ता अटकती है या फिर सभी जातीय समूहों को इसमें शामिल करने में विफलता हाथ लगती है, तो शरणार्थियों और विद्रोहियों का भारत में प्रवेश बढ़ने के साथ ही कुकी और नगा समुदायों के बीच तनाव भी बढ़ सकता है। दरअसल, भारत का उत्तर-पूर्व क्षेत्र, विशेषकर मणिपुर, म्यांमार के बाहरी प्रभावों की वजह से अतिसंवेदनशील है। शांति वार्ता का भविष्य भारत की सीमा सुरक्षा, विद्रोही गतिविधियों और उग्रवाद विरोधी प्रयासों पर खासा असर डालेगा।?यदि सफलतापूर्ण समझौता होता है, तो सीमा पार उग्रवाद के प्रबंधन में मजबूत सहयोग संभव हो सकता है, जबकि निरंतर अस्थिरता इन प्रयासों में बाधा बन सकती है। म्यांमार की स्थिरता में भारत के कूटनीतिक हित हैं, इसलिए वह सीमा पर जुंटा और जातीय समूह, दोनों के संपर्क में है। राजनयिक चैनलों का लाभ उठाते हुए भारत म्यांमार की सेना और जातीय समूहों के बीच संतुलन बनाते हुए शांतिपूर्ण समाधान को प्रोत्साहित कर सकता है।

दूसरी तरफ, क्षेत्र में पेचीदा संबंधों और रणनीतिक हितों को देखते हुए जुंटा की शांति वार्ता के चीन के लिए भी खासे निहितार्थ हैं। ऐतिहासिक रूप से, चीन ने म्यांमार की सीमा और विभिन्न जातीय सशस्त्र समूहों के साथ चीन-म्यांमार सीमा पर संतुलन बनाने का प्रयास किया है। इन शांति वार्ताओं में गतिशीलता म्यांमार में चीन की भूमिका और प्रभाव को नया आकार दे सकती है। चीन म्यांमार में कई जातीय सशस्त्र समूहों, विशेषकर उत्तरी क्षेत्र में, जैसे काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी (केआईए), यूनाइटेड वा स्टेट आर्मी (यूडब्ल्यूएसए), और शान स्टेट आर्मी के साथ संबंधों में विशेष संतुलन बनाकर रखता है। ये समूह चीन के साथ जातीय, आर्थिक और राजनीतिक रूप से गहराई से जुड़े हुए हैं, जिसकी वजह से बीजिंग दोहरी रणनीति लेकर चलता है, एक ओर सैन्य शासन का समर्थन करता है, तो दूसरी ओर अपने रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जातीय गुटों को भी साधकर रखता है। उत्तरी जातीय सशस्त्र समूह?विशेषकर काचिन, शान और वा में व्यापक क्षेत्र को नियंत्रित करते हैं, अवैध धंधे में शामिल रहते हैं और चीनी सीमा के साथ अर्ध स्वायत्त क्षेत्र का संचालन करते हैं। ये समूह हथियार आपूर्ति और राजनीतिक समर्थन हासिल करने के लिए चीन पर भरोसा करते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता और म्यांमार के समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करते हैं।

जुंटा की शांति वार्ता की पेशकश को संघर्ष को कम करने, शक्ति बढ़ाने और वैधता हासिल करने के रूप में भी देखा जा सकता है। 2021 के तख्तापलट के बाद से कई सशस्त्र प्रतिरोधों के साथ जातीय सशस्त्र समूहों ने जुंटा के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश की हैं। अगर ये वार्ताएं सफल होती हैं, तो इससे सापेक्ष स्थिरता के माहौल को बढ़ावा मिलेगा, जिनसे म्यांमार में चीनी निवेश और दूसरी परियोजनाओं को लाभ होगा। हालांकि, नतीजा जुंटा की पेशकश की वास्तविकता, जातीय समूहों की प्रतिक्रिया और जुंटा जिन रियायतों या स्वायत्तता पर बातचीत करने के लिए तैयार है, उन पर भी निर्भर करता है।

चीन ने इससे पहले भी म्यांमार में मध्यस्थता निभाई है, विशेषकर 2015 में सरकार और यूडब्ल्यूएसए?के बीच समझौता कराकर। चीन म्यांमार में जातीय समूहों के साथ मिलकर वहां के प्राकृतिक?संसाधनों का दोहन भी करता है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) जैसी परियोजनाओं की सफलता के लिए चीन अपने हितों के अनुरूप सेना और जातीय समूहों के बीच समझौते को प्राथमिकता देगा। इसके अलावा चीन क्षेत्र में अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों, जैसे-भारत, जापान और अमेरिका के प्रभाव को कम करने के लिए म्यांमार में अपने रणनीतिक हितों को सर्वोपरि रखना चाहेगा। शांति वार्ता के लड़खड़ाने पर चीन की कई परियोजनाएं अटक जाएंगी और हिंसा बढ़ने पर उसके यहां शरणार्थियों का संकट भी पैदा होगा। अंत में म्यांमार के नाजुक हालात को देखते हुए भारत और चीन को रणनीतिक हितों की रक्षा के साथ ही क्षेत्रीय स्थिरता को कायम रखने के लिए सावधानीपूर्वक अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा। क्योंकि म्यांमार की शांति वार्ता के नतीजे न केवल म्यांमार की आंतरिक गतिशीलता के लिए, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया में व्यापक भू-राजनीतिक परिदृश्य के लिए भी महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

आज का इतिहास

1928 जर्मन मतदाताओं ने राष्ट्रीय जनमत संग्रह में नई युद्धपोतों के निर्माण को मंजूरी दी

1941 विली गिलिस, जो नॉर्मन रॉकवेल के ट्रेडमार्क पात्रों में से एक है, ने शनिवार की शाम पोस्ट के कवर पर शुरुआत की।

1956 ग्रेट ब्रिटेन ने आस्ट्रेलिया में परमाणु परीक्षण किया।

1957 सोवियत संघ ने मानव इतिहास का पहला 83.5 किलोग्राम भारी उपग्रह स्पुतनिक सफलता से अंतरिक्ष में पहुंचाया था। इसने 92 दिनों में 1400 बार पृथ्वी का चक्कर लगाया और पहली बार अंतरिक्ष से पृथ्वी पर रेडियायी संदेश भेजा।

1957 सोवियत अंतरिक्ष यान स्पुतनिक 1, पृथ्वी का पहला कृत्रिम उपग्रह है, जिसे क्यूर एसएसआर के ट्यूरेटम के पास बैकोनुरकोस्मोड्रोम से एक आर -7 रॉकेट द्वारा लॉन्च किया गया था।

1958 फ्रेंच फिफ्थ रिपब्लिक, फ्रांस के वर्तमान राजनीतिक शासन की स्थापना करने वाला नया संविधान पेश किया गया था।

1963 क्यूबा और हैती में चक्रवाती तूफान 'ह्याफ्लोराह्न' से छह हजार लोग मारे गए।

1963 फ्लोरा (रडार की छवि का चित्रण), जो इतिहास के सबसे उग्र और घातक तूफान में से एक है, पहले क्यूबा के टोबैगो और हिसपनिओला होने के बाद, क्यूबा में लैंडफॉल बना।

1966 लेसोथो देश ने ब्रिटेन से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की और आज का दिन इस देश में राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

1969 चीन ने घोषणा की है कि हाल ही में चीनी मुख्य भूमि में हाइड्रोजन बम के लिए प्रयास किया गया था और देश ने अपने पहले भूमिगत परमाणु विस्फोट को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया था।

1976 यूनाइटेड किंगडम में ब्रांड इंटरसिटी 125 हाई स्पीड ट्रेन पेश की गई

1976 ब्रिटिश रेल की इंटरसिटी 125 सेवा , दुनिया की सबसे तेज डीजल चालित ट्रेन, पश्चिमी क्षेत्र में परिचालन शुरू किया।

1984 टिम मैकार्टनी-स्नैप और ग्रेग मोर्टिमर माउंट एवरेस्ट के शिखर सम्मेलन के लिए पहले ऑस्ट्रेलियाई बने।

1985 फ्री सॉफ्टवेयर फाउंडेशन मैसाचुसेट्स, यूएसए में स्थापित किया गया।

1992 एक इज़राइली कार्गो जेट इंजन की कठिनाइयों का सामना कर रहा है, जो एम्स्टर्डम, हॉलैंड में हवाई अड्डे के करीब एक अपार्टमेंट इमारत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

मुडा केस : मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिए 'रास्ता बंद है'

डॉ. प्रकाश हिंदुस्तानी

मुडा (मैसूरु अरबन डेवलपमेंट अथॉरिटी) केस में कर्नाटक के सीएम फंसे हैं। उन पर ईडी का शिकंजा कसा है। झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और और दिल्ली मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के बाद वे तीसरे विपक्षी मुख्यमंत्री हैं, जो ईडी की जांच में फंसे हैं। वे केजरीवाल की राह नहीं अपना सकते, क्योंकि वे अपनी पार्टी के सर्वोच्च नेता नहीं है। इस जमीन घोटाले का मामला इसलिए भी गरमाया हुआ है कि इसके तार सीधे राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से जुड़े हैं।

यह घोटाला 3.2 एकड़ जमीन से जुड़ा है, जिसे मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी ने 2010 में उपहार में दिया था। मैसूरु अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इस जमीन का अधिग्रहण किया था। उसके बाद पार्वती ने मुआवजे की मांग की और फिर उन्हें 14 प्लॉट आवंटित किए गए। कहा जाता है कि ये प्लॉट मूल भूमि के टुकड़े से काफी अधिक कीमत के हैं। अब उनकी पत्नी पार्वती की ओर से मुडा को 14 विवादित प्लॉट वापस लौटाने के फैसले पर सियासत गरमा गई है। सीएम सिद्धारमैया का कहना है कि उनकी पत्नी ने उनके (सिद्धारमैया) खिलाफ चल रही %नफरत की राजनीति% का शिकार होकर यह निर्णय लिया है। पार्वती के इस निर्णय से मैं भी हैरान हूँ।

सिद्धारमैया की पत्नी बीएन पार्वती ने मुडा के कमिश्नर को पत्र में लिखा कि मुझे कसाबा होबली के केसारे गांव में मेरे 3 एकड़ और 16 गुंठा जमीन के बदले मैसूर में विजयनगर के तीसरे और चौथे फेज में 14 वैकल्पिक प्लॉट आवंटित किए गए थे। मैं सेल डीड कैंसिल करके 14 साइटों को वापस करना चाहती हूं। मुडा ने उनकी अपील मान ली है। सरल शब्दों में गांव में जमीन अधिग्रहण किया गया। बदले में शहर के पॉश इलाके में 14 प्लॉट दे दिए गए। आरोप है कि इस डील से प्लॉट पाने वालों को करीब 55 करोड़ 80 लाख का फायदा हुआ। प्लॉट पार्वती और उनके अन्य रिश्तेदारों के नाम थे।

इलाके के आरटीआई कार्यकर्ता सक्रिय हुए। जांच की मांग गई। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने इस मामले की जांच की अनुमति दी थी, जिसे सिद्धारमैया ने हाई कोर्ट में चुनौती दी। उन्होंने तर्क दिया कि यह निर्णय संवैधानिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन करता है और राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह को नजरअंदाज किया। हालांकि, कर्नाटक हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी, यह कहते हुए कि मामले में जांच जरूरी है क्योंकि इसमें मुख्यमंत्री के परिवार का प्रत्यक्ष लाभ है। अब इस केस में लोकायुक्त पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिनमें भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कई सेक्शन्स शामिल हैं। मामला ईडी यानी प्रवर्तन डिपार्टमेंट को सौंप दिया गया है जिसने इसे मनी लॉन्ड्रिंग के मामले के रूप दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। अब सिद्धारमैया की अगली रणनीति अपने राजनीतिक करियर और मुख्यमंत्री पद की रक्षा करने के इर्द-गिर्द केंद्रित होगी। सिद्धारमैया के पास कानूनी विकल्पों का सहारा लेने का मौका है। वे उच्चतम न्यायालय में राज्यपाल द्वारा दी गई जांच की मंजूरी को चुनौती दे सकते हैं।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी, लेकिन वे सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकते हैं, यह दावा करते हुए कि राज्यपाल का आदेश नियमों का उल्लंघन करता है और उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन करता है। एफआईआर में सिद्धारमैया को प्रमुख आरोपी के रूप में नामित किया गया है, और उनके परिवार के अन्य सदस्य भी इसमें आरोपी हैं। इस मामले का राजनीति और कानून दोनों पर बड़ा प्रभाव हो सकता

है, क्योंकि सिद्धारमैया इस समय कर्नाटक के मुख्यमंत्री हैं, और यह मामला उनकी छवि को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। सिद्धारमैया और उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद, वे लोकायुक्त की जांच में सहयोग करने का रुख अपना सकते हैं। यह कदम उनकी छवि को सुधारने और यह दिखाने के लिए हो सकता है कि वे किसी प्रकार की अनियमितताओं में शामिल नहीं हैं। 14 प्लॉट्स का लौटाना इसी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है।

राजनीतिक रूप से, सिद्धारमैया अपनी पार्टी, कांग्रेस का समर्थन जुटाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। पार्टी के भीतर और बाहर, उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि इस केस के कारण उनके नेतृत्व और मुख्यमंत्री पद पर असर न पड़े। कांग्रेस आलाकमान और वरिष्ठ नेताओं का समर्थन प्राप्त करना उनकी प्राथमिकता होगी। वे जनता से संवाद और सहानुभूति का माहौल कोशिश भी करेंगे कि कैसे उन्हें राजनीति का शिकार बनाया जा रहा है। वे अपने समर्थकों के बीच यह संदेश फैलाने का प्रयास करेंगे कि यह मामला राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा है। वे इसे अपने खिलाफ एक राजनीतिक साजिश के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं, ताकि जनता की सहानुभूति प्राप्त कर सकें। इसके अलावा वे इस विवाद के बीच अपने प्रशासनिक कार्यों और कर्नाटक सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। इससे वे अपनी छवि को सुधारने और यह दिखाने की कोशिश करेंगे कि वे अपने पद पर मजबूती से कायम हैं और राज्य के हित में काम कर रहे हैं। सिद्धारमैया इस मामले को कानूनी और राजनीतिक दोनों मोर्चों पर संभालने की कोशिश करेंगे, ताकि उनके खिलाफ उठने वाले आरोपों का प्रभाव कम हो सके और उनकी राजनीतिक स्थिति मजबूत बनी रहे।

सिद्धारमैया को कोर्ट से राहत मिलना फिलहाल मुश्किल दिख रहा है, क्योंकि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ चल रही लोकायुक्त की जांच को रोकने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने यह माना कि राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरीऔर मामले की जांच वैध हैं। सिद्धारमैया ने राज्यपाल के आदेश को चुनौती दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। हालांकि, सिद्धारमैया के पास अभी भी सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का विकल्प है, जहां वे राज्यपाल के आदेश और उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दे सकते हैं।

यदि सुप्रीम कोर्ट उनके पक्ष में कोई निर्णय देता है, तो उन्हें कुछ राहत मिल सकती है। लेकिन वर्तमान स्थिति में, हाई कोर्ट का निर्णय उनके खिलाफ है, और जांच भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इसलिए, जब तक सुप्रीम कोर्ट से कोई सकारात्मक निर्णय नहीं आता, उनके लिए कानूनी मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। जब उच्च न्यायालय का निर्णय किसी पक्ष के खिलाफ जाता है, तो वह पक्ष सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एस एल पी) दायर कर सकता है।

सिद्धारमैया के मामले में, यह याचिका राज्यपाल द्वारा लोकायुक्त जांच की मंजूरी को चुनौती देने के लिए हो सकती है। वे सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगा सकते हैं कि हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी जाए और जांच पर रोक लगाई जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट पहले यह तय करेगा कि विशेष अनुमति याचिका स्वीकार की जाए या नहीं। अगर कोर्ट मानता है कि मामला महत्वपूर्ण है और इसमें अपील का आधार है, तो इसे स्वीकार किया जाएगा। अगर विशेष अनुमति याचिका स्वीकार कर ली जाती है, तो इसके बाद सुनवाई की तारीख निर्धारित की जाएगी। प्रारंभिक सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट यह तय कर सकता है कि हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई जाए या न लगाई जाए। यदि सुप्रीम कोर्ट प्राथमिक स्तर पर राहत देने के लिए तैयार होता है, तो वह जांच या अन्य कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा सकता है।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में सिद्धारमैया के वकील यह दावा कर सकते हैं कि राज्यपाल का आदेश असंवैधानिक है या राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है। अगर उच्चतम न्यायालय सुनाने को तैयार होता है तो सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट किसे सही ठहराती है किसे नहीं।

अगर कोर्ट सिद्धारमैया के पक्ष में निर्णय आता है, तो राज्यपाल के आदेश और जांच प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है।अगर कोर्ट उनके खिलाफ फैसला सुनाता है, तो जांच आगे बढ़ेगी और मामले में कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की योजना बनाई है। हालांकि, अभी तक सुप्रीम कोर्ट में उनकी अपील की तारीख तय नहीं हुई है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ जांच को को रोकने से इनकार कर दिया था। इस फैसले के बाद, सिद्धारमैया की कानूनी टीम सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश या राहत प्राप्त करने के लिए प्रयास कर सकती है, लेकिन प्रक्रिया में कुछ समय लग सकता है। जब तक सुप्रीम कोर्ट से कोई स्थगन आदेश नहीं मिलता, जांच रुकने की संभावना कम है। अगर उच्चतम न्यायालय उनके पक्ष में फैसला सुनाता है, तो ही एफआईआर रद्द हो सकती है। अभी उसके रद्द होने की कोई स्पष्ट संभावना नहीं दिख रही है। जाहिर है कि सिद्धारमैया के लिए रास्ता बंद है।

2050 तक वैश्विक महाशक्ति बन जाएगा भारत

शंख्यनील सरकार

पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने इंडोनेशिया के बाली रिसॉर्ट द्वीप पर डेनपसार के पास नगुराह राय अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बाली अंतर्राष्ट्रीय एयर शो के दौरान सतत विमानन ईंधन (एस.ए.एफ.) पर वैश्विक और क्षेत्रीय सहयोग क्षमता के बारे में बात की। टोनी ब्लेयर ने कहा कि विश्व के नेताओं को इन 3 नई महाशक्तियों के साथ एक नई विश्व व्यवस्था के लिए तैयार रहना चाहिए। ब्लेयर ने सिंगापुर के एक समाचार पत्र के साथ चर्चा के दौरान कहा कि इस सदी के मध्य तक (2050) 3 नई वैश्विक महाशक्तियां होंगी - अमरीका, चीन और भारत। ब्लेयर ने इस महीने की शुरुआत में मिल्केन इंस्टीच्यूट द्वारा आयोजित वार्षिक एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान द स्ट्रेट्स टाइम्स को बताया, आपको यह तय करना होगा कि आपका देश दुनिया में कहां फिट बैठता है, क्योंकि यह एक ऐसी दुनिया होगी जो बहुध्रुवीय होने जा रही है, (जहां) मेरे विचार से, इस सदी के मध्य तक 3 महाशक्तियां, अमरीका, चीन और संभवत- भारत के रूप में होंगी। विश्व के नेताओं को अब एक नई 'जटिल विश्व व्यवस्था' को संचालित करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए, जिसे ये तीन राष्ट्र आकार देंगे। उन्होंने कहा, इसलिए, आपको मजबूत गठबंधन बनाने होंगे जो आपको इन तीन महाशक्तियों से कुछ हद तक समानता के साथ बात करने में सक्षम बनाए। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व आथक मंच का अनुमान है कि भारत इस दशक के अंत तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, जो केवल संयुक्त राज्य अमरीका और चीन से पीछे रहेगा। अमरीका और चीन के बीच भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा उनकी आर्थिक और औद्योगिक रणनीतियों में तेजी से स्पष्ट हो रही है और आपूर्ति श्रृंखलाओं के चीन से दूर होने के साथ ही नई विश्व व्यवस्था को आकार देने में भी भूमिका निभाएगी। भारत को संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा 'मित्र-शोरिंग' भागीदार माना जाता है, जिसका अर्थ है कि अमरीकी कम्पनियों को देश के मैत्रीपूर्ण संबंधों और रणनीतिक महत्व के कारण भारत में आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण संचालन स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

'मन की बात' रेडियो प्रसारण का अनूठा प्रयोग

डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू

'मन की बात' रेडियो की दुनिया का एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसके हर एपिसोड को 25 करोड़ से ज्यादा लोग सीधे तौर पर सुनते हैं तथा 10 करोड़ से ज्यादा लोग टेलीविजन तथा अन्य माध्यमों से इसके साथ जुड़े होते हैं। जनता तक मन की बात पहुंचाने का ऐसा प्रयोग भारत में पहले कभी नहीं हुआ था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रसारित लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का एक दशक पूरा हो गया है। यह आकाशवाणी का एक अनूठा प्रयोग है, जिसमें देश के प्रधानमंत्री देश की 140 करोड़ जनता से हर महीने सीधे मुखातिब होते हैं। तीन अक्तूबर, 2014 को शुरू हुए 'मन की बात' कार्यक्रम का अब एक दशक पूरा हो गया है और इसका 104वां एपिसोड, जो 19 सितंबर, 2024 को प्रसारित हुआ, ने एक इतिहास रच दिया है। यह रेडियो की दुनिया का एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसके हर एपिसोड को 25 करोड़ से ज्यादा लोग सीधे तौर पर सुनते हैं तथा 10 करोड़ से ज्यादा लोग टेलीविजन तथा अन्य माध्यमों से इसके साथ जुड़े होते हैं। जनता तक मन की बात पहुंचाने का ऐसा प्रयोग भारत में पहले कभी नहीं हुआ था।

इस रेडियो कार्यक्रम की मकबूलियत दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार के दिन-प्रतिदिन के शासन के मुद्दों के साथ नागरिकों के साथ संवाद स्थापित करना है। सच तो यह है कि यह आकाशवाणी प्रसारण का पहला दृश्य समृद्धि रेडियो कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम की यह भी विशेषता रही है कि इसमें उन लोगों की भागीदारी को भी सुनिश्चित किया गया है, जिन्होंने भारतीय समाज को अपनी हिम्मत, लगन व सेवाओं के जरिये बदलने की चेष्टा की है। भारतीय प्रबंधन संस्थान रोहतक द्वारा किये गये एक सर्वेक्षण से पता चला है कि इस कार्यक्रम की मकबूलियत आने वाले दिनों में 23 करोड़ से बढ़ कर 35 करोड़ हो जायेगी। यह एक ऐसा रेडियो प्रोग्राम है, जो नियमित रूप से अपने निर्धारित दिन पर प्रसारित होता है। इसकी एक विशिष्टता यह भी है कि इसके जरिये आकाशवाणी की गिरती साख तथा

वैभव को प्रधानमंत्री ने एक एंबेसडर के रूप में संभाला है। दुनिया के प्रसारण के इतिहास में एक दशक तक किसी भी प्रोग्राम का और वह भी प्रधानमंत्री जब इससे जुड़े हुए हों, उसका पूरा होना अपने आप में बड़ी बात है। इसे आकाशवाणी के सबसे ज्यादा सुनने वाले कार्यक्रमों में शुमार किया जाता है। यह प्रस्तुति आने वाले दिनों में 90 प्रतिशत जनसंख्या से अधिक को अपने साथ जोड़ सकती है।

तीन अक्तूबर, 2014 को, विजयादशमी के दिन इसका पहला एपिसोड प्रसारित हुआ था। उसके बाद जिस तरह से इससे संबंधित रिकॉर्ड बनते गये, वह रेडियो की ऐतिहासिक श्रृंखला का एक शोधपरक हिस्सा है। यह भी सच है कि 2017 के बाद इसको क्षेत्रीय बोलियों में भी उपलब्ध कराया गया है, ताकि भारत के जन-जन तक इसे पहुंचाया जा सके। हालांकि सीएसडीएस इसकी प्रसारण संख्या अर्थात श्रोताओं की संख्या को 40 प्रतिशत तक मानती है। परंतु मध्यवर्ती तथा टीयर टू शहरों में किये गये सर्वेक्षणों से पता चलता है कि भारत की लगभग 66.7 प्रतिशत जनसंख्या इसे लगातार सुन रही है। इस कार्यक्रम से आकाशवाणी का राजस्व भी बढ़ गया है। यह आकाशवाणी के प्रसारण इतिहास में सबसे लंबा चलने वाला ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें विदेशी भी शामिल हुए हैं। सत्ताइस जनवरी, 2015 को विशेष तौर पर प्रसारित 'मन की बात' के एपिसोड की रिकॉर्डिंग में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी शामिल हुए थे। उनत्तीस सितंबर, 2019 को लता मंगेशकर इसकी विशेष अतिथि थीं। सर्वेक्षण से यह भी पता चलता है कि इस कार्यक्रम द्वारा प्रसारित जिस विषय को सबसे ज्यादा पसंद किया गया है उनमें 'सेल्फी विद डॉटर', 'इंक्रेडिबल इंडिया', 'फिट इंडिया' तथा 'संदेश टू सोल्जर' शामिल हैं। इस कार्यक्रम की सफलता में उन लोगों का भी हाथ है, जिनके कार्यों के बारे में प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में जिक्र किया है। स्वच्छता अभियान से लेकर मंगल मिशन की सफलता तक, कौशल विकास से लेकर दिव्यांग बच्चों की चर्चा तक प्रधानमंत्री ने इन प्रोग्रामों में की है। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री ने छोटे बच्चों से लेकर विद्यार्थियों तक को परीक्षा की तैयारियों के टिप्स व शुभकामनाएं दी हैं।

'मन की बात' की विशेषता यह भी है कि दूरदर्शन के सभी चैनल और वेबसाइट तथा सरकारी माध्यम इसे अलग-अलग भाषाओं में प्रसारित करते रहते हैं। सुभाष चंद्र बोस, गांधी, आंबेडकर समेत तमाम महापुरुषों के संदेशों तथा दर्शनों को भी इसमें शामिल किया जाता रहा है। अब जब इस विशेष रेडियो प्रसारण के एक दशक पूरे होने का समय है, हम देख सकते हैं कि इस तरह के प्रोग्राम किस तरह से जनता को सीधे तौर पर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से जोड़ सकते हैं। दुनियाभर के रेडियो स्टेशनों में सबसे लंबे प्रसारित कार्यक्रमों में भी इसको शुमार किया जा सकता है। हालांकि लैरी किंग जैसे कार्यक्रमों के प्रसारक, जो वर्षों तक एक कार्यक्रम करते रहे, उसके बाद आकाशवाणी द्वारा बिना किसी रुकावट के एक दशक तक निरंतर किसी कार्यक्रम का प्रसारण होना, प्रसारण की दुनिया में एक इतिहास है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में उसे स्थानीय भाषाओं में अनुवाद कर आकाशवाणी तथा दूरदर्शन द्वारा प्रसारित करना भी अपने आप में मिसाल है। रेडियो के इतिहास में इस कार्यक्रम पर अभी कई तरह के शोध हो रहे हैं। इसके सामाजिक प्रसार तथा सामाजिक गुणवत्ता पर भी बात होती है। इससे रेडियो की पहुंच का भी पता चलता है।

भ्रष्टाचारियों की ढाल बनी केंद्र और राज्यों की सरकारें

योगेंद्र योगी

वादे हैं वादों क्या, भ्रष्टाचार को लेकर कुछ ऐसी ही हालत भारत की है। भ्रष्टाचार को लेकर राजनीतिक दल बड़े-बड़े दावे करते हैं। भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्षी दलों के भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया था। इसी तरह विपक्षी दलों ने भी केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार को निशाने पर रखा था। सत्ता पक्ष और विपक्ष के भ्रष्टाचार पर एक-दूसरे पर जबरदस्त प्रहार के बावजूद यह मुद्दा सुरसा के मुंह की तरह लगातार फैलता ही जा रहा है। भ्रष्टाचार की इस गंगोत्री से कोई अछूता नहीं है। भ्रष्टाचार का जड़ से खात्मा करना तो दूर बल्कि सत्ततंत्र भ्रष्टाचारियों की ढाल बन कर खड़ा है। इसमें कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं हैं। देश को खोखला करने वाले इस धीमे जहर को संरक्षण देने में केंद्र और राज्यों की सरकारों पीछे नहीं हैं। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों ने 212 मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को भ्रष्टाचार के दोषी पाए गए 543 अफसरों व कार्मिकों पर अभियोजन स्वीकृति लंबित है। सीबीआई के कामकाज पर निगरानी रखने वाले केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक इनमें राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) की सरकारों में अभियोजन स्वीकृति के 41 मामले शामिल हैं जिनमें 149 अधिकारी भ्रष्टाचार के दोषी पाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल भ्रष्टाचार की सबसे अधिक शिकायतें रेलवे कर्मचारियों के खिलाफ की गईं।

इसके बाद दिल्ली के स्थानीय निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के खिलाफ शिकायतें मिलीं। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में सभी श्रेणी के अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की कुल 74,203 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 66,373 का निपटारा कर दिया गया और 7,830 शिकायतें लंबित हैं। सीवीसी की रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार में वित्त मंत्रालय के विभिन्न विभागों में अभियोजन स्वीकृति के सबसे ज्यादा 75 मामले लंबित हैं जिनमें 197 भ्रष्ट

अफसर-कार्मिक फंसें हैं। इनमें वित्तीय सेवा विभाग के 53 मामलों में मुकदमा चलाने की अनुमति लंबित है। वित्त मंत्रालय के बाद रक्षा, रेल, शिक्षा तथा कार्मिक मंत्रालयों में लंबित मामलों की संख्या अपेक्षाकृत ज्यादा है। राज्य सरकारों/केंद्रशासित प्रदेशों में भ्रष्टाचार के मामलों में सैकड़ों अफसरों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति नहीं दी जा रही है। राज्यों/केंद्रशासित राज्यों में कुल 41 भ्रष्टाचार के मामलों 149 अधिकारी आरोपित हैं। इनमें महाराष्ट्र में 3 मामलों में 41 अधिकारी, उत्तर प्रदेश में 10 मामलों में 31, प.बंगाल में 4 मामलों 25, केंद्रशासित जम्मू-कश्मीर में 4 में 19, पंजाब में 4 में 6, मध्यप्रदेश में 1 भ्रष्टाचार के प्रकरण में एक अधिकारी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक नियमों के अनुसार सीबीआइ से प्रस्ताव भेजे जाने के बाद अधिकतम तीन माह में अभियोजन स्वीकृति देने का प्रयास किया जाना चाहिए लेकिन लंबित मामलों में 249 अधिकारियों के खिलाफ 81 मामले तीन माह की अवधि से अधिक पुराने हैं।

सीवीसी की रिपोर्ट में उन मामलो का भी जिक्र किया है जिनमें जांच में दोषी पाए गए अफसरों के खिलाफ आयोग की सिफारिशों को भी दरकिनार कर दिया गया। इनमें विभिन्न मंत्रालयों और केंद्र सरकार के अधीन संस्थाएं (पीएसयू-बैंक आदि) शामिल हैं। सीवीसी केंद्रीय मंत्रालयों और पीएसयू-बैंकों में मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) के जरिये भ्रष्टाचार व अनियमितताओं पर नजर रखता है। सीवीसी ने कहा है कि कुछ संगठन आयोग की सलाह पर अमल करने और आरोपी अधिकारी को चार्जशीट जारी करने में देरी करते हैं। इससे कई मामलों में दोषी अधिकारी सेवानिवृत्त हो जाता है और समय सीमा चूकने के कारण कोई भ्रष्ट अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाती। गौरतलब है कि सरकारी विभागों में विषबेल की तरह बढ़ते भ्रष्टाचार पर भारत विश्व में कलंकित हो रहा है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 के लिए भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 93वें स्थान पर रहा। जबकि वर्ष 2022 में भारत की रैंक 85 वीं थी। अर्थात भारत में भ्रष्टाचार की रफ्तार थमी नहीं है। इसमें तेजी आई है। इस सूचकांक में भारत आठ पायदान आगे बढ़ गया। वर्ष 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एशिया में पाकिस्तान (133) और श्रीलंका (115) अपने अपने कर्ज के बोझ तले दबे हैं और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि हालांकि दोनों देशों में मजबूत न्यायिक निगरानी है, जो सरकार को नियंत्रण में रखने में मदद कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन (76) ने पिछले दशक में भ्रष्टाचार के लिए 37 लाख से अधिक सार्वजनिक अधिकारियों को दंडित करके अपनी आक्रामक भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई से सुर्खियां बटोरीं।

भ्रष्टाचार से देश एक भी राज्य और केंद्रशासित प्रदेश अछूता नहीं है। केंद्र हो या राज्यों में चाहे किसी भी राजनीतिक दल की सरकारें हों, किन्तु एक भी सत्तारुढ़ दल यह दावा नहीं कर सकता की कोई भी एक विभाग पूर्णत- भ्रष्टाचार से मुक्त हो सका है। देश की तरक्की मे बाधक बना यह मुद्दा सिर्फ शोर-शराबे तक ज्यादा सीमित है। जमीनी स्तर पर कोई भी राजनीतिक दल इसके जड़ सहित खात्मे की दिशा को लेकर गंभीर नहीं है। ऐसा नहीं है कि भ्रष्टाचार के मामलों सिर्फ नौकरशाह ही शामिल हैं। राजनेता भी इसमें पीछे नहीं हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो दोनों के गठजोड़ के कारण ही भ्रष्टाचार लगातार बढ़ता जा रहा है। केंद्र और राज्यों की सरकारें विकास और पारदर्शिता के चाहे जितने दावे कर लें, जब तक भ्रष्टाचार मौजूद है तब तक देश इस मुद्दे पर शर्मसार होता रहेगा।

नसरल्ला के खात्मे के इस्राइल के मंसूबे भांप गए थे खामनेई

काव्या मिश्रा

इस्राइल लेबनान में स्थित हिजबुल्ला को पूरी तरह से खत्म करने के लिए लगातार हमला कर रहा है। पहले संगठन के प्रमुख सैयद हसन नसरल्ला, उनकी बेटी और कई शीर्ष कमांडरों को ढेर कर दिया। वहीं, अब सीरिया की राजधानी दमिश्क में एक फ्लैट पर हमला कर नसरल्ला के दामाद हसन जफर अल कासिर को मार गिराया। हालांकि, इन सबके बीच एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने हिजबुल्ला प्रमुख को उनकी जान के खतरे को लेकर चेतावनी दी थी। उनसे लेबनान से भाग जाने को कहा था। तीन ईरानी सूत्रों का कहना है कि इस्राइली हमले में मारे जाने से कुछ दिन पहले ईरानी नेता खामनेई ने हसन नसरल्ला को लेबनान से भाग जाने को कहा था। अब वे तेहरान में वरिष्ठ सरकारी पदों पर इस्राइली घुसपैठ को लेकर बहुत चिंतित हैं। सूत्रों में से एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने बताया, 17 सितंबर को हिजबुल्ला पर हुए पेजर हमले के तुरंत बाद खामनेई ने एक दूत के जरिए नसरल्ला को संदेश भेजा था। इसमें उन्होंने हिजबुल्ला प्रमुख से ईरान चले जाने का अनुरोध किया था। साथ ही उन्होंने खुफिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि हिजबुल्ला के अंदर इस्राइल के गुप्तचर हैं और वे उन्हें मारने की योजना बना रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि संदेश देने वाले ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के वरिष्ठ कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अब्बास निलफोरुशन थे, जो नसरल्ला के साथ उनके बंकर में मौजूद थे, जब इस्राइल ने हमला किया था। इस हमले की चपेट में आकर नसरल्ला के साथ-साथ निलफोरुशन भी मारे गए। ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार से ईरान के अंदर सुरक्षित स्थान पर रह रहे खामनेई ने मंगलवार को इस्राइल पर करीब 200 मिसाइलें दागने का आदेश दिया था। वहीं, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि यह हमला नसरल्ला और निलफोरुशन की मौत का बदला था। उन्होंने जुलाई में तेहरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या और लेबनान पर इस्राइल के हमलों का भी हवाला दिया गया। हालांकि, इस्राइल ने अभी तक हनीयेह की मौत की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस्राइल ने मंगलवार को दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ सीमित जमीनी हमला शुरू किया। इस पूरी रिपोर्ट पर फिलहाल ईरान के विदेश मंत्रालय और इस्राइली प्रधानमंत्री के कार्यालय ने कोई जवाब नहीं दिया। कई सूत्रों से बातचीत में खामनेई की सुरक्षा के प्रति ईरान की आशंकाएं तथा हिजबुल्ला और ईरान के प्रतिष्ठान के भीतर व उनके बीच विश्वास की कमी उभर कर सामने आई, जिन्होंने ऐसे हालात का वर्णन किया जो ईरान के इस्राइल विरोधी अनियमित सशस्त्र समूहों के प्रतिरोध गठबंधन के प्रभावी कामकाज को जटिल बना सकती है। 1980 के दशक में ईरान के समर्थन से स्थापित हिजबुल्ला लंबे समय से गठबंधन का सबसे मजबूत सदस्य रहा है। चार लेबनानी सूत्रों ने बताया कि इस अव्यवस्था के कारण हिजबुल्ला के लिए नया नेता चुनना भी मुश्किल हो रहा है, क्योंकि उसे डर है कि जारी घुसपैठ के कारण उत्तराधिकारी का चयन खतरे में पड़ जाएगा। स्वीडिश रक्षा विश्वविद्यालय में हिजबुल्ला विशेषज्ञ मैग्नस रैनस्टॉर्प ने हिजबुल्ला को हुए भारी नुकसान के बारे में कहा कि ईरान ने पिछले दशकों में किया गया अपना सबसे बड़ा निवेश खो दिया है। उन्होंने कहा, इससे ईरान की इस्राइल की सीमाओं पर हमला करने की क्षमता कम हो गई है। ईरान को अंदर तक हिला दिया। यह दिखाता है कि इस्राइल कितनी गहराई तक घुसपैठ कर चुका है। उन्होंने न केवल नसरल्ला को मार डाला बल्कि उन्होंने नीलफोरुशन को भी मार डाला, जो खामनेई के एक विश्वसनीय सैन्य सलाहकार थे। इस्राइल हमले करना जारी रखे हुए है। उसने गुरुवार तड़के मध्य बेरुत में बमबारी की। इससे कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। जबकि, सात अन्य लोग घायल हो गए। इस्राइल का कहना है कि उसने बेरुत पर सटीक हवाई हमला किया है। एक सुरक्षा सूत्र के मुताबिक, इस्राइल ने मध्य बेरुत के बाचौरा पड़ोस में संसद के करीब एक इमारत को निशाना बनाया। वहीं, लेबनानी सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि तीन मिसाइलों ने दहियाह के दक्षिणी उपनगर पर भी हमला किया। हमले के बाद जोरदार विस्फोटों की आवाज सुनाई दीं। इसी जगह पर पहले हुए इस्राइली हमले में हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्ला मारा गया था।

वर्ष के चार नवरात्रों में चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ की शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक नौ दिन के होते हैं, परंतु प्रसिद्धि में चैत्र और आश्विन के नवरात्र ही मुख्य माने जाते हैं। नवरात्र में देवी माँ के व्रत रखे जाते हैं। स्थान-स्थान पर देवी माँ की मूर्तियाँ बनाकर उनकी विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि नवरात्र में महाशक्ति की पूजा कर श्रीराम ने अपनी खोई हुई शक्ति पाई, इसलिए इस समय आदिशक्ति की आराधना पर विशेष बल दिया गया है।

ऊर्जा का उत्सव नवरात्री

नवरात्रि एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है नौ रातें। यह पर्व साल में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ, अश्विन, पोषप्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातो में तीन देवियों - महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वतीया सरस्वतीकि तथा दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हे नवदुर्गा कहते हैं। नौ देवियाँ है - श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदेय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की । तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग-अलग पूजा की जाती है। माँ दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियाँ देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं । नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। नवदुर्गा और दस महाविधाओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दस महाविधाएँ अनंत सिद्धियाँ प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

प्रमुख कथा

लंका-युद्ध में ब्रह्माजी ने श्रीराम से रावण वध के लिए चंडी देवी का पूजन कर देवी को प्रसन्न करने को कहा और बताए अनुसार चंडी पूजन और हवन हेतु दुर्लभ एक सौ आठ नीलकमल की व्यवस्था की गई। वहीं दूसरी ओर रावण ने भी अमरता के लोभ में विजय कामना से चंडी पाठ प्रारंभ किया। यह बात इंद्र देव ने पवन देव के माध्यम से श्रीराम के पास पहुँचाई और परामर्श दिया कि चंडी पाठ यथासभंव पूर्ण होने दिया जाए। इधर हवन सामग्री में पूजा स्थल से एक नीलकमल रावण की मायावी शक्ति से गायब हो गया और राम का संकल्प टूटता-सा नजर आने लगा। भय इस बात का था कि देवी माँ रुष्ट न हो जाएँ। दुर्लभ नीलकमल की व्यवस्था तत्काल असंभव थी, तब भगवान राम को सहज ही स्मरण हुआ कि मुझे लोग कमलनयन नवकंच लोचन कहते हैं, तो क्यों न संकल्प पूर्ति हेतु एक नेत्र अर्पित कर दिया जाए और प्रभु राम जैसे ही तूणीर से एक बाण निकालकर अपना नेत्र निकालने के लिए तैयार हुए, तब देवी ने प्रकट हो, हाथ पकड़कर कहा- राम मैं प्रसन्न हूँ और विजयश्री का आशीर्वाद दिया। वहीं रावण के चंडी पाठ में यज्ञ कर रहे ब्राह्मणों की सेवा में ब्राह्मण बालक का रूप धर कर हनुमानजी सेवा में जुट गए। नि:स्वार्थ सेवा देखकर ब्राह्मणों ने हनुमानजी से वर माँगने को कहा। इस पर हनुमान ने विनम्रतापूर्वक कहा- प्रभु, आप प्रसन्न हैं तो जिस मंत्र से यज्ञ कर रहे हैं, उसका एक अक्षर मेरे कहने से बदल दीजिए। ब्राह्मण इस रहस्य को समझ नहीं सके और तथास्तु कह दिया। मंत्र में जयादेवी... भूर्तिहरिणी में ह के स्थान पर क उच्चारित करें, यही मेरी इच्छा है। भूर्तिहरिणी यानी कि प्राणियों की पीड़ा हरने वाली और करिणी का अर्थ हो गया प्राणियों को पीड़ित करने वाली, जिससे देवी रुष्ट हो गईं और रावण का सर्वनाश करवा दिया। हनुमानजी महाराज ने श्लोक में ह की जगह क करवाकर रावण के यज्ञ की दिशा ही बदल दी।

अन्य कथाएं

इस पर्व से जुड़ी एक अन्य कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। और प्रत्याशित प्रतिफल स्वरूप महिषासुर ने नरक का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए हैं और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा है। तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गई थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततः महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं।

निर्माणाधीन मूर्तियां

चौमासे में जो कार्य स्थगित किए गए होते हैं, उनके आरंभ के लिए साधन इसी दिन से जुटाए जाते हैं। क्षत्रियों का यह बहुत बड़ा पर्व है। इस दिन ब्राह्मण सरस्वती-पूजन तथा क्षत्रिय शस्त्र-पूजन आरंभ करते हैं। विजयादशमी या दशहरा एक राष्ट्रीय पर्व है। अर्थात आश्विन शुक्ल दशमी को सायंकाल तारा उदय होने के समय विजयकाल रहता है। यह सभी कार्यों को सिद्ध करता है। आश्विन शुक्ल दशमी पूर्वविद्धा निषिद्ध, परविद्धा शुद्ध और श्रवण नक्षत्रयुक्त सूर्योदयव्यापिनी सर्वश्रेष्ठ होती है। अपराह्न काल, श्रवण नक्षत्र तथा दशमी का प्रारंभ विजय यात्रा का मुहूर्त माना गया है। दुर्गा-विसर्जन, अपराजिता पूजन, विजय-प्रयाग, शमी पूजन तथा नवरात्र-पारण इस पर्व के महान कर्म हैं। इस दिन संध्या के समय नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ माना जाता है। क्षत्रिय/राजपूतों इस दिन प्रातः स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर संकल्प मंत्र लेते हैं। इसके पश्चात देवताओं, गुरुजन, अस्त्र-शस्त्र, अश्व आदि के यथाविधि पूजन की परंपरा है।

कैसे करें घट स्थापना

आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शारदीय नवरात्रि की धूम नौ दिनों तक रहेगी। इन दिनों मां भगवती के नौ रूपों का पूजन-अर्चन होगा। आइए जानते हैं घटस्थापना कैसे करें -

- घटस्थापना हमेशा शुभ मुहूर्त में करनी चाहिए।
- नित्य कर्म और स्नान के बाद ध्यान करें।
- इसके बाद पूजन स्थल से अलग एक पाटे पर लाल व सफेद कपड़ा बिछाएं।
- इस पर अक्षत से अष्टदल बनाकर इस पर जल से भरा कलश स्थापित करें।
- इस कलश में शतावरी जड़ी, हलकुंड, कमल गट्टे व रजत का सिक्का डालें।
- दीप प्रज्वलित कर इष्ट देव का ध्यान करें।
- तत्पश्चात देवी मंत्र का जाप करें।
- अब कलश के सामने गेहूं व जौ को मिट्टी के पात्र में रोंपें।
- इस ज्वारे को माताजी का स्वरूप मानकर पूजन करें।
- अंतिम दिन ज्वारे का विसर्जन करें।

नौ दिन कैसे करें कन्या-पूजन

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। कहते हैं, नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है।

- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए - गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अत- कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अत- इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

नवरात्रि के चमत्कारिक दिव्य मंत्र

वर्तमान में मनुष्य ने अपने जीवन को इतनी आवश्यकताओं से घेर लिया है कि वह उनमें ही उलझा रहता है। ऐसे मनुष्यों के लिए समस्याओं को हल करने के लिए सरलतम मंत्र दे रहे हैं। जो नवरात्रि में करने से सफलता मिलती है एवं समस्या से छुटकारा मिलता है। ऐसे पावन नौ दिनों के लिए दिव्य मंत्र दिए जा रहे हैं, जिनके विधिवत परायण करने से स्वयं के नाना प्रकार के कार्य व सामूहिक रूप से दूसरों के कार्य पूर्ण होते हैं। इन मंत्रों को नौ दिनों में अवश्य जाप करें। इनसे यश, सुख, समृद्धि, पराक्रम, वैभव, बुद्धि, ज्ञान, सेहत, आयु, विद्या, धन, संपत्ति, ऐश्वर्य सभी की प्राप्ति होती है। विपत्तियों का नाश होगा।

विपत्ति-नाश के लिए

शरणागतदीनार्तपरित्राणपरायणे।
सर्वस्यापहरे देवि नारायणि नमोस्तुते।।

भय नाश के लिए

सर्वस्वरूपे सर्वेश सर्वशक्तिसमन्विते।
भयेभ्यस्त्राहि नो देवि, दुर्गे देवि नमोस्तुते।।

पाप नाश तथा भक्ति की प्राप्ति के लिए

नमेभ्य सर्वदा भक्त्या चण्डिके दुरितापहे।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि।।

हर प्रकार के कल्याण के लिए

सर्वमंगल्यमांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते।।

धन, पुत्रादि प्राप्ति के लिए

सर्वबाधाविनिर्मुक्तो-धनधान्यसुतान्वित
मनुष्यों मत्प्रसादेन भविष्यति न संशय।।

रक्षा पाने के लिए

शूलेन पाहि नो देवि पाहि खंडे न चाम्बिके।
घण्टास्वनेन न पाहि चापज्यानि स्वनेन च।।

मोक्ष की प्राप्ति के लिए

त्वं वैष्णवी शक्तिरन्तवीर्या।
विश्वस्य बीजं परमासि माया।
सम्मोहितं देवि समस्तमेत
त्वं वै प्रसन्ना भूवि मुक्ति हेतु।।

बाधा व शांति के लिए

सर्वबाधाप्रमशन त्रैलोक्याखिलेश्वरि।
एवमेव त्वया कार्यमस्यद्वैरिविनाशन्नम।।

सुलक्षणा पत्नी की प्राप्ति के लिए

पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम
तारिणी दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम।।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दी नवरात्रि की बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नवरात्रि की पावन शुरुआत पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि शक्ति-वंदना को समर्पित यह पावन पर्व हर किसी के लिए शुभकारी सिद्ध हो। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, समस्त देशवासियों को नवरात्रि की असीम शुभकामनाएं। शक्ति-वंदना को समर्पित यह पावन पर्व हर किसी के लिए शुभकारी सिद्ध हो, यही कामना है। जय माता दी। उन्होंने कहा कि देवी शैलपुत्री की आराधना के साथ नवरात्रि का आरंभ हो रहा है। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की करबद्ध प्रार्थना! उनकी कृपा से हर किसी का कल्याण हो। प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही मां शैलपुत्री को समर्पित एक गीत का वीडियो भी साझा किया। इस बार नवरात्र तीन से लेकर 11 अक्तूबर तक है। नवरात्र में मां दुर्गा के नौ रूपों की नौ दिन अलग-अलग पूजा होती है। नवरात्रि पूरे देश में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाती है। इसके बाद दशहरे का त्योहार आता है।

अजहरुद्दीन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी का समन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी ने समन किया है। उन पर 20 करोड़ रुपये के फंड के दुरुपयोग का आरोप है। यह मामला हैदराबादा क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़ा हुआ है। 61 साल के अजहरुद्दीन को हैदराबाद में प्रवर्तन निदेशालय के सामने गुरुवार को ही पेश होने के लिए कहा गया था। हालांकि, वह पेश नहीं हुए और जानकारी के मुताबिक उन्होंने ईडी से समय मांगा है। ईडी उन्हें फिर से समन जारी कर सकता है। यह कांग्रेस नेता को जारी किया गया पहला समन है। अजहरुद्दीन हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन पर अपने कार्यकाल के दौरान फंड के दुरुपयोग का गंभीर आरोप है। यह मामला हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम के लिए डीजल जनरेटर, अग्निशमन प्रणाली और कैनोपियों की खरीद के लिए आवंटित 20 करोड़ रुपये के कथित दुरुपयोग से संबंधित है।

सीएम सिद्धारमैया पर सबूत नष्ट करने का लगा आरोप

चेन्नई। कर्नाटक शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले को लेकर चल रहा विवाद तेज हो गया है। विवाद की वजह से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिए चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। सिद्धारमैया के खिलाफ एक नई शिकायत दर्ज की गई है, जिससे एमयूडीए में कथित अनियमितताओं को लेकर उनकी जांच बढ़ती जा रही है। मुख्यमंत्री पर अब घोटाले से संबंधित सबूतों को नष्ट करने, उनके प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता के बारे में चिंताएं बढ़ाने का आरोप लगाया गया है। इस बीच, कथित मुदा घोटाले में मुख्य शिकायतकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा गुरुवार को गवाही देने और जांच से संबंधित रिकॉर्ड जमा करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुईं। सूत्रों ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ शुरू की गई जांच में मदद के लिए कृष्णा को ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय में बुलाया गया था।

हरियाणा में कांग्रेस बनाएगी अगली सरकार: भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़। हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने सत्तारूढ़ भाजपा पर तीखा हमला बोला। एक सभा को संबोधित करते हुए, हुड्डा ने आरोप लगाया कि भाजपा झूठ की दुकान बन गई है, जिस क्षण से वह अपना दैनिक संचालन शुरू करती है, नफरत और भ्रम के अलावा कुछ भी नहीं बेचती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रचार अच्छा चला। पूरे प्रदेश में कांग्रेस के समर्थन में लहर है। उन्होंने आगे कहा कि 36 बिरादरी तय करेगी कि हरियाणा में अगली सरकार कांग्रेस बनाएगी। उन्होंने दावा किया कि दलित कांग्रेस के साथ हैं जो उनके लिए असली पार्टी है। भाजपा पर हमला करते हुए भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि उसके पास मुद्दों की कमी है, उनके पास दिखाने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है...यह एक विफल सरकार है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हरियाणा में 10 वर्षों तक शासन किया है, फिर भी उसके नेता अपने भाषणों में किसी भी वास्तविक उपलब्धि का उल्लेख करने में विफल रहते हैं।

केजरीवाल आज खाली कर देंगे मुख्यमंत्री आवास

नईदिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को सीएम आवास खाली कर सकते हैं। आप के मुताबिक, पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के लिए नई दिल्ली इलाके में एक घर फाइनल कर लिया गया है, जहां वह सिविल लाइंस में फ्लैगस्टाफ रोड पर दिल्ली के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास को खाली करके अपने परिवार के साथ रहेंगे। इससे पहले, सूत्रों के मुताबिक, केजरीवाल के अपने परिवार के साथ मंडी हाउस के पास फिरोज शाह रोड पर आप के राज्यसभा सांसदों को आवंटित दो आधिकारिक बंगलों में से एक में रहने की उम्मीद थी। दोनों बंगले रविशंकर शुक्ला लेन स्थित आप मुख्यालय से कुछ ही मीटर की दूरी पर हैं। इस महीने की शुरुआत में दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले केजरीवाल ने कहा कि वह नवरात्रि अवधि के दौरान आधिकारिक फ्लैगस्टाफ रोड आवास खाली कर देंगे। शुभ हिंदू त्योहार गुरुवार से शुरू हो गया है।

हरियाणा में बोले राहुल- अरबपतियों की सरकार चलाते हैं पीएम

विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे कांग्रेस के शेर

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 5 अक्टूबर को होने वाले मतदान से पहले चुनाव प्रचार के आखिरी दिन आज नूह में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हमने कश्मीर से कन्याकुमारी तक यात्रा निकाली और जहां भी बीजेपी ने नफ़रत का बाज़ार खोला, हमने मोहब्बत की दुकान खोलीं। उन्होंने दावा किया कि हम प्यार और एकता की बात करते हैं, वे नफरत फैलाते हैं और देश को तोड़ने की कोशिश करते हैं। राहुल ने दावा किया कि बीजेपी और आरएसएस संविधान को नष्ट कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस एक वैचारिक युद्ध लड़ रही है। एक तरफ संविधान को नष्ट करने की विचारधारा है, दूसरी तरफ संविधान की विचारधारा है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि मैं अमेरिका में हरियाणा के कुछ युवाओं से मिला, वे मुझसे अपनी समस्याएं साझा करना चाहते थे। उन्होंने मुझे बताया कि वे अमेरिका इसलिए आए क्योंकि हमें हरियाणा में नौकरी नहीं मिल सकती। हरियाणा में बेरोजगारी और महंगाई है और हमें नौकरियां नहीं मिल रही हैं। वे 50 लाख रुपये का कर्ज लेकर अमेरिका आये थे।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने हरियाणा को बर्बाद कर दिया है। पीएम मोदी अपने भाषणों में यह नहीं बता सकते कि उन्होंने हरियाणा को बेरोजगारी की सूची में शीर्ष पर कैसे पहुंचाया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पीएम मोदी अरबपतियों की सरकार चलाते हैं। उन्होंने 20-25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है। पीएम मोदी ने हरियाणा के किसानों, मजदूरों और गरीबों का कितना कर्ज माफ किया? उन्होंने कहा कि हमें बेरोजगारी और महंगाई का हरियाणा नहीं चाहिए। हमें प्रगति का हरियाणा चाहिए।

राहुल ने कहा कि हरियाणा में छोटी-छोटी

पार्टियां घूम रही हैं। ये भाजपा की बी टीम हैं। इनको आप समर्थन मत दीजिए। आप कांग्रेस पार्टी को अपना वोट दीजिए और भाजपा की सरकार को हटाने का काम कीजिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के शेर और शेरनियां विचारधारा की लड़ाई लड़ते हैं। आप नफरत को मोहब्बत से काटते हैं, इसलिए मैं आपको दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं। आप मुझे शक्ति देते हैं, इसलिए मैं किसी से नहीं डरता हूं। कांग्रेस पार्टी का चिह्न अभय मुद्रा है, जो कहता है- डरो मत।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन अचानक सोनिया से मिलीं सैलजा

नईदिल्ली। हरियाणा में विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कुमारी शैलजा ने दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक यह मुलाकात 30 मिनट तक चली है। सोनिया गांधी से मिलने के लिए कुमारी शैलजा अकेले ही 10 जनपथ पहुंची थीं। यह मुलाकात इसलिए अहम मानी जा रही है क्योंकि कुमारी सैलजा के चुनाव प्रचार शुरू करने के बाद भी पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा से उनकी नाराजगी कम होती नहीं दिख रही है। हालांकि, दोनों नेताओं के बीच क्या चर्चा हुई इसकी जानकारी नहीं है। लेकिन माना जा रहा है कि सोनिया गांधी ने शैलजा को एकजुट रहने और भविष्य में अहम भूमिका मिलने का आश्वासन दिया होगा। राज्य में 5 अक्टूबर को वोटिंग होगी। खबरों के मुताबिक, कुमारी शैलजा ने आरोप लगाया है कि विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे में पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के खेमे को प्रमुखता मिली है। वह करीब दो हफ्ते तक चुनाव प्रचार से भी दूर रहीं। हालांकि मल्लिकार्जुन खड़गे के हस्तक्षेप के बाद शैलजा ने प्रचार किया। हाल ही में राहुल गांधी ने कुमारी शैलजा और भूपेन्द्र सिंह हुड्डा दोनों से हाथ मिलवाया और एकता का संदेश दिया। इससे पहले यह बताया गया था कि राज्य में कांग्रेस के अभियान का वास्तविक चेहरा रहे हुड्डा की टिकटों के आवंटन में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी थी, उन्होंने पार्टी द्वारा मैदान में उतारे गए 90 उम्मीदवारों में से अपने वफादारों के लिए 72 टिकटें हासिल कीं। दूसरी ओर, कांग्रेस में हुड्डा की प्रतिद्वंद्वी के रूप में जानी जाने वाली शैलजा अपने समर्थकों के लिए सिर्फ नौ टिकट ही हासिल कर सकीं और 11 सितंबर को उम्मीदवार घोषित होने के बावजूद हिसार जिले के नारनौंद से अपने करीबी डॉ. अजय चौधरी के लिए टिकट हासिल करने में विफल रहीं।

मोहब्बत की दुकान में मिल रहा नशे का सामान: भाजपा

5600 करोड़ की जब्त ड्रग्स में आया कांग्रेस नेता का नाम

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने दिल्ली में लगभग 5,600 करोड़ रुपये की नशीली दवाओं की जब्ती को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और एक आरोपी का सबसे पुरानी पार्टी से संबंध होने का आरोप लगाया। त्रिवेदी ने कहा कि दिल्ली में 5,600 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद हुई है। ये मात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूरे भारत में संप्रग के शासनकाल में 2006-13 के बीच मात्र 768 करोड़ रुपये के ड्रग्स की बरामदी हुई थी। ये वो दौर था, जब मुंबई से लेकर पंजाब ड्रग्स की गिरफ्त में था। जबकि 2014-22 तक भाजपा सरकार के दौरान 22 हजार करोड़ रुपये की ड्रग्स पकड़ी गई है।

सुधांशु त्रिवेदी ने दावा किया कि इसका जो मुख्य आरोपी है, जिसका नाम तुषार गोयल है, वो इंडियन यूथ कांग्रेस के आरटीआई सेल का चीफ है। यानी ये बात साफ हो रही है कि राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान में अभी तक नफरत का सामान तो दिख रहा था, लेकिन अब नशे का सामान भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अब हमारा मानना है कि पूरे देश और हरियाणा के लोगों को ये जानने का अधिकार है कि कांग्रेस का बरामद हुई ड्रग्स और आरोपी के साथ क्या कनेक्शन है। यदि दीपेंद्र हुड्डा जी के साथ आरोपी का फोटो है और यूथ कांग्रेस का नियुक्ति पत्र है, जिसमें राहुल जी और सोनिया जी का जिक्र है।

भाजपा नेता ने दावा किया कि देश में भ्रम पैदा करने के लिए अनेक अंतरराष्ट्रीय शक्तियों, संस्थानों के साथ कांग्रेस पार्टी के संबंध उजागर हो रहे हैं। अब देश के युवाओं को सीधे नशे में शामिल करने वाले इतने बड़े कांड के साथ कांग्रेस के आधिकारिक पदाधिकारी का सीधा संबंध उजागर होना, बहुत गहरे और खतरनाक संदेश देता है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ ने कहा कि कांग्रेस ने ड्रग तस्करों और माफियाओं से हाथ मिला

लिया है। अरविंद केजरीवाल चुप क्यों हैं? कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए...कांग्रेस युवाओं को नशीली दवाओं के खतरे में धकेलने की अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा प्रतीत होती है। पूछताछ कर पता लगाना चाहिए कि इसमें कौन शामिल है और कांग्रेस नशे का पैसा कहां इस्तेमाल कर रही है।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि आरोपी भारतीय युवा कांग्रेस का सदस्य हुआ करता था, लेकिन दो साल पहले उसे पार्टी से निकाल दिया गया था। यह प्रशंसनीय है कि हमारी पार्टी ने एक ऐसे व्यक्ति को निष्कासित कर दिया जो बाद में आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो सकता था। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भी अपने उन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती जो पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होते हैं। बीजेपी को दूसरी पार्टी पर आरोप लगाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

हम आपको बता दें कि दिल्ली पुलिस ने शहर में मादक पदार्थ की अब तक की सबसे बड़ी खेप पकड़ी है। अधिकारियों ने बताया है कि 560 किलोग्राम से अधिक कोकीन और 40 किलोग्राम 'हाइड्रोपोनिक मारिजुआना' जब्त किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5,620 करोड़ रुपये है। अधिकारियों ने बताया है कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ के दल ने दक्षिण दिल्ली के महिपालपुर से चार व्यक्तियों को पकड़ा और उनके पास से 602 किलोग्राम वजन की खेप जब्त की। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान दिल्ली निवासी तुषार गोयल, हिमांशु कुमार और औरंगजेब सिद्दीकी तथा मुंबई निवासी भरत कुमार जैन के रूप में हुई है।

यह नशे के जो कारोबारी हैं, यह आज के चण्ड और मुण्ड हैं, महिषासुर हैं : योगी

चंडीगढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार हरियाणा में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। गुरुवार को चुनाव प्रचार का आखिरी दिन था। आज विपक्ष पर एक बार फिर से योगी ने तगड़ा प्रहार किया है। योगी ने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में 10 वर्षों में विकास कार्य पूरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजमार्गों का निर्माण, रेलवे की प्रगति, नए फ्लाईओवर का निर्माण, औद्योगिक क्षेत्र का विकास हुआ। योगी ने दावा किया कि भाजपा सरकार में युवाओं को बिना खर्ची, पर्ची के रोजगार मिला। योगी ने दावा किया कि हरियाणा के चहुंमुखी विकास के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है। राज्य की सुशासन प्रिय जनता तीसरी बार डबल इंजन की सरकार के साथ है। उन्होंने कहा कि जो कार्य कांग्रेस 60-65 वर्षों में नहीं कर सकी, भाजपा की डबल इंजन सरकार ने मात्र 2 वर्षों में करके दिखाया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह नशे के जो कारोबारी हैं, यह आज के चण्ड और मुण्ड हैं, महिषासुर हैं। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार उन महिषासुरों के लिए जगत जननी मां भगवती की तरह है जो नशे के कारोबार में शामिल हैं। भाजपा नेता ने लोगों से अपील कि की किसी भी माफिया को कतई बर्दाश्त मत करिए। उन्होंने कहा कि समर्थ हरियाणा-सशक्त हरियाणा के लिए भारतीय जनता पार्टी संकल्पित है। राज्य में तीसरी बार कमल खिलाने के लिए यहां की जनता तैयार है।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टी20 मैच 6 अक्टूबर को

नईदिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद, भारतीय क्रिकेट टीम अब तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए कमर कस रही है। भारत बनाम बांग्लादेश पहला टी 20 6 अक्टूबर को ग्वालियर में होने वाला है। सूर्यकुमार यादव चोट से उबरकर बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया की अगुआई करेंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ ग्वालियर में होने वाले पहले टी20 मैच में स्टार बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा भारत के लिए पारी की शुरुआत कर सकते हैं। बाएं-दाएं बल्लेबाजी के उनके संयोजन से गेंदबाजों के लिए अपनी लाइन और लेंथ को स्थापित करना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। मिस्टर 360 के नाम से मशहूर सूर्यकुमार यादव के नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है, जिससे प्रशंसकों के लिए रोमांचक प्रदर्शन का वादा किया जा सकता है।

ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के नंबर चार पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है। बल्लेबाजी के अलावा, वह गेंदबाजी इकाई के भी अहम सदस्य होंगे, क्योंकि वह अब पूरी तरह से फिट हैं और अपने चार ओवर का पूरा कोटा गेंदबाजी करने में सक्षम हैं। शिवम दुबे के पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने की संभावना है, जहां वह डेथ ओवरों में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विपक्षी टीम को चकमा दे सकते हैं। अगर उन्हें मौका मिलता है, तो इसका मतलब यह हो सकता है कि रियान पराग प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने से चूक जाएंगे। स्पिन विभाग की कमान वॉशिंगटन सुंदर और रवि बिश्नोई के हाथ में होने की संभावना है।

भारत बनाम बांग्लादेश के पहले टी20 मैच के लिए संभावित प्लेइंग 11- अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और मयंक यादव।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 1,769 अंक टूटकर 82,500 के नीचे आया

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को कोहराम मच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गज शेयरों में गिरावट के बीच बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी-50 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट लेकर बंद हुए। विश्लेषकों का कहना है कि लगातार विदेशी फंड की निकासी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है। शेयर बाजार में कमजोर रुख के बीच लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1769.19 अंक या 2.10 प्रतिशत की भारी गिरावट लेकर 82,497.10 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 82,434.02 और 83,752.81 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ एनएसई निफ्टी 546.80 अंकों या 2.12 प्रतिशत लुढ़ककर 25,250.10 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 25,230.30 और 25,639.45 के रेंज में कारोबार हुआ।

बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने 1.1 अरब डॉलर के लॉन्ग टर्म लोन का किया रीफाइनेंसिंग

नईदिल्ली। बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने डॉलर बॉण्ड और नई सामूहिक सुविधा के जरिये 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर (9,347 करोड़ रुपये) के दीर्घकालिक ऋण का पुनर्वित्तपोषण किया है। बायोकॉन लिमिटेड की इकाई बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने बयान में कहा, बॉण्ड बायोकॉन बायोलॉजिक्स ग्लोबल पीएलसी द्वारा जारी किए जाएंगे, जो कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इसे एक मजबूत सुरक्षा पैकेज द्वारा समर्थित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लेनदेन नौ अक्टूबर 2024 को पारंपरिक समापन शर्तों के अधीन निपटाए जाने की उम्मीद है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ)ने कहा, '' यह रणनीतिक पुनर्वित्तपोषण वित्तीय जुझारूपन को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

आईफोन प्लांट में फिर से काम शुरू करेगी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स

नईदिल्ली। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि वह तमिलनाडु स्थित अपने कारखाने में बृहस्पतिवार से आंशिक परिचालन बहाल करने की योजना बना रही है। इस कारखाने में पिछले सप्ताह आग लग गई थी। तमिलनाडु के होसुर में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के इलेक्ट्रॉनिक घटक कारखाने के रासायनिक गोदाम में भीषण आग लगने के बाद 28 सितंबर से परिचालन निलंबित है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने बयान में कहा, '' हम आज से संयंत्र के कई स्तरों पर काम फिर से शुरू करने की योजना बना रहे हैं। पूर्ण परिचालन शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए हमारे दल के सभी सदस्यों को पूरा वेतन मिलता रहेगा। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के होसुर कारखाने में एप्पल के आईफोन 15 और आईफोन 16 सीरीज के लिए 'स्मार्टफोन केस' बनाए जाते हैं। आगजनी की घटना से आईफोन की आपूर्ति पर असर पड़ने के आसार नहीं है क्योंकि कंपनी के पास अगले तीन महीनों की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार है।

तीसरी तिमाही में खूब बिके लग्जरी मकान

नईदिल्ली। देश में महंगे मकानों (एक करोड़ व इससे अधिक कीमत वाले) की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। बीते कुछ सालों में एक करोड़ रुपये या इससे महंगे मकान इतने अधिक बिके कि अब इनकी कुल बिक्री में हिस्सेदारी आधे के करीब पहुंचने को है। दूसरी ओर किफायती और मिड सेगमेंट वाले मकानों की बिक्री में कमी आई है। मकानों की कुल बिक्री बढ़ने के साथ ही इनके दाम भी बढ़े हैं। नये मकानों की लॉन्चिंग में भी इजाफा हुआ है। संपत्ति सलाहकार फर्म नाइट फ्रैंक इंडिया द्वारा जुलाई-सितंबर अवधि के लिए आज जारी रिपोर्ट के अनुसार 2024 की तीसरी तिमाही में देश के 8 प्रमुख शहरों में 87,108 मकान बिके। जो इस साल किसी भी तिमाही में बिके मकानों से अधिक हैं। इसके साथ ही पिछले साल की तीसरी तिमाही में बिके 82,612 मकानों से 5 फीसदी ज्यादा हैं।

विकसित भारत बनने के लिए जाति और पंथ से ऊपर उठना होगा

विपिन पब्बी

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी 2022-23 के लिए उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) ने देश में विनिर्माण उद्योग के लिए एक उम्मीद की किरण दिखाई है, जिसे कोविड महामारी के दौरान बड़ा झटका लगा था। रिपोर्ट से पता चला है कि विनिर्माण उद्योगों में कर्मचारियों की कुल संख्या 2021-22 में 1.72 करोड़ से 2022-23 में 7.5 प्रतिशत बढ़कर 1.84 करोड़ हो गई। इसने नोट किया कि यह पिछले 12 वर्षों में विनिर्माण उद्योगों में रोजगार में वृद्धि की सबसे अधिक दर थी। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य उत्पाद बनाने वाली फैक्टरियों में सबसे अधिक रोजगार दर्ज किया गया, इसके बाद कपड़ा, मूल धातु, पहनने के परिधान और मोटर वाहन, ट्रेलर और अर्ध-ट्रेलर का स्थान रहा।

नीति आयोग के सी.ई.ओ. बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने कहा कि यह सुझाव देता है कि कोविड महामारी का प्रभाव 'मिट गया' है और विनिर्माण क्षेत्र 'अब तेजी पर है'। सर्वेक्षण के अनुसार, 2021-22 में कारखानों की कुल संख्या 2.49 लाख से बढ़कर 2022-23 में 2.53 लाख हो गई, जो महामारी के बाद पूर्ण रिकवरी चरण को चिह्नित करने वाला पहला वर्ष था। मंत्रालय ने कहा कि 2022-23 में विनिर्माण वृद्धि के मुख्य चालक मूल धातु, कोक और परिष्कृत पैट्रोलियम उत्पाद, खाद्य उत्पाद, रसायन और रासायनिक उत्पाद और मोटर वाहन से संबंधित उद्योग थे। हालांकि यह देश के लिए अच्छी खबर है, लेकिन तथ्य यह है कि देश अभी भी अपने कार्यबल की पूरी क्षमता का उपयोग करने से बहुत दूर है। यह दुनिया के शीर्ष युवा देशों में से एक है, और जहां तक इसकी आबादी की औसत आयु का सवाल

है, प्रमुख देशों में सबसे ऊपर है। भारत की औसत आयु, जो 2021 में 24 वर्ष के निचले स्तर को छू गई थी, अब 27 वर्ष है और एक वर्ष के भीतर 28-29 वर्ष तक बढने की उम्मीद है। यह स्पष्ट है कि देश वर्तमान में स्वर्णिम काल से गुजर रहा है लेकिन समय तेजी से निकल रहा है और सरकार को क्षमता का दोहन करने के लिए पहल करनी चाहिए। औसत आयु में लगातार वृद्धि के साथ, जनसंख्या वृद्ध होती जाएगी और हमारा वर्तमान लाभ नुकसान में बदल जाएगा। अगले तीन या चार दशकों में हम वृद्ध देशों में से होंगे। चीन, जिसकी औसत आयु अब 39.5 वर्ष है, जबकि 2011 में यह 34.5 वर्ष थी, ने पहले ही उच्च औसत आयु और वृद्ध लोगों की तेजी से बढ़ती संख्या के परिणामों का सामना करना शुरू कर दिया है। हाल ही में इसे सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 63 वर्ष करने के लिए मजबूर होना पड़ा और वृद्ध लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कई अन्य कदम उठा रहा है।

भारत में अब दुनिया के लगभग 25% कार्यबल हैं। एक आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, 1971 से इसमें वृद्धि देखी गई है और 2031 में इसके 65.2% तक बढने का अनुमान है। यह देश की उत्पादकता के लिए अच्छा संकेत है। एक और कारक जिसे योजनाकारों को ध्यान में रखना चाहिए वह यह है कि देश की जनसंख्या वृद्धि दर घट रही है, क्योंकि औसत वार्षिक घातीय वृद्धि 2011 में 1.63% से गिरकर 2024 में 1.2% हो गई है। पिछले सप्ताह श्रम ब्यूरो द्वारा जारी जुलाई 2023 से जून 2024 की अवधि के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पी.एल.एफ.एस.) ने भारत की बेरोजगारी दर में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं दिखाया, जो पांच साल की कमी के बाद 2023-24 में 3.2% पर बनी रही। एक अंतरराष्ट्रीय समूह ने हाल ही में गणना की है कि भारत को श्रम बाजार में नए प्रवेशकों के आगमन को समायोजित करने के लिए अगले दशक में हर साल लगभग 12 मिलियन नौकरियों का सृजन करना होगा। जैसे-जैसे भारत का जनसांख्यिकीय लाभ बढ़ता है, यह आने वाले वर्षों में आर्थिक विकास के लिए एक शक्तिशाली गुणक के रूप में काम कर सकता है। इस क्षमता को किसी भी कीमत पर बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए और भारत को सही मायने में 'विकसित भारत' बनाने के लिए जाति और पंथ के मुद्दों से ध्यान हटाना चाहिए।

5-6 अक्टूबर साइंस कॉलेज ग्राउंड रायपुर में एक सशस्त्र बल आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर। मध्य कमान और मध्य भारत क्षेत्र के तत्वावधान में, छत्तीसगढ़ और ओडिशा उप क्षेत्र द्वारा नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर 05-06 अक्टूबर 2024 को साइंस कॉलेज ग्राउंड रायपुर में एक सशस्त्र बल आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस आउटरीच कार्यक्रम का प्राथमिक उ?देश्य युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करना, भारतीय सेना की शक्ति और क्षमताओं का प्रदर्शन करना, लोगों के बीच राष्ट्रवाद और देशभक्ति को बढ़ावा देना और नागरिक सैन्य संबंधों को मजबूत करना है। दो दिवसीय कार्यक्रम में शानदार प्रदर्शन और रोमांचकारी प्रदर्शनों की एक श्रृंखला देखी जाएगी, जिसमें विशिष्ट विशेष बल कमांडो द्वारा पैरा जंप और स्लिदरिंग प्रदर्शन, बाइक शो और घुड़सवारी प्रदर्शन शामिल हैं। टी-90 भीष्म टैंक, बीएमपी ॥ पैदल सेना लड़ाकू वाहन, स्ट्रेला 10एम सेना वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली, जेडयू 23 गन और आर्टिलरी की 105 एमएम लाइट फील्ड गन सहित आधुनिक हथियार और उपकरण भी सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक जनता के देखने के लिए प्रदर्शित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में ग्रेनेडियर्स, सिग्नल और गोरखा प्रशिक्षण केंद्रों के सैन्य पाइप और ब्रास बैंड और विशिष्ट गोरखा रेजिमेंट के सांस्कृतिक दल द्वारा खुखरी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां भी होंगी। आयोजन के दौरान सेना भर्ती कार्यालय रायपुर और एनसीसी ग्रुप मुख्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा सशस्त्र बलों में शामिल होने के इच्छुक युवाओं के लाभ के लिए सूचना केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं।

इस कार्यक्रम में राज्य सरकार और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। मध्य भारत क्षेत्र और मध्य कमान के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। भारतीय सेना की ताकत और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए विभिन्न इकाइयों और संरचनाओं से तीन सौ से अधिक भारतीय सेना के जवान इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इस कार्यक्रम ने पूरे राज्य में काफी रुचि पैदा कर दी है और इसमें हजारों दर्शकों के आने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में एससीईआरटी पाठ्य पुस्तक अनिवार्य करने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम की किताबें कबाड़ में मिल रही है। पाठ्य पुस्तक निगम से करोड़ों के घोटाले की खबरें प्रतिवर्ष आती है। पुस्तकों की छपाई, वितरण और स्कूलों में पढ़ाए जाने तक सब गोलमाल हो रहा है, लेकिन सरकार इस समस्या का ठोस उपाय नहीं कर पा रही है।छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल का कहना है कि उनके द्वारा विगत दस वर्षो से यह मांग की जा रही है कि प्रदेश के सभी स्कूलों के कक्षा पहली से लेकर आठवीं तक सिर्फ एससीईआरटी की पाठ्य पुस्तक ही अनिवार्य कर दिया जाए, लेकिन सरकार ने आज पर्यन्त ऐसा कोई सख्त आदेश जारी नहीं किया, इसलिए छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम की किताबें कबाड़ में मिल रही है, क्योंकि ज्यादातर प्राइवेट स्कूलों के द्वारा पाठ्य पुस्तक निगम की किताबों को लेते तो है, मगर प्राइवेट प्रकाशक की किताबों से अध्यापन कराया जा रहा है, और छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम की किताबें कबाड़ में बिक जाती है, जबकि सीबीएसई ने अपने स्कूलों के लिए शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से 9वीं से 12वीं तक के लिए एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों को जरूरी कर दिया है। बोर्ड ने पहली से आठवीं तक की कक्षाओं को एनसीईआरटी की किताबों का उपयोग करने की सख्त सलाह दी है। पॉल ने बताया कि, बोर्ड की संबद्धता कक्षा नवमीं से मान्य होता है और कक्षा पहली से लेकर कक्षा आठवीं तक स्कूल राज्य सरकार और जिला शिक्षा अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में संचालित होते है, जिसका पूरा नियंत्रण राज्य और स्थानीय प्रशासन के पास होता है, तो राज्य को कक्षा पहली से लेकर आठवीं तक सभी स्कूलों में एससीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों को अनिवार्य कर देना चाहिए, तो किताबें कबाड़ में नहीं मिलेगा, बल्कि इन किताबों से बच्चों को स्कूलों में पढ़ाया जाएगा।

मंत्री देवांगन ने स्कूल-आंगनबाड़ी में खाना पकाने के वितरित किए गैस सिलेण्डर

रायपुर। कोरबा जिले के स्कूलों, आश्रम, छात्रावासों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में आज भी लकड़ी से चूल्हे पर खाना पकाया जा रहा है, जिससे निकलने वाले धुंए से संस्था में काम करने वाली माताओं, बहनों एवं पढ़ने वाले बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए जिला खनिज संस्थान न्यास मद से 4900 संस्थाओं में घरेलू एलपीजी गैस कनेक्शन देकर संस्थाओं को धुआं मुक्त किया जा रहा है। अब इन संस्थाओं में बच्चों को पौष्टिक नाश्ता व भोजन कम समय में उपलब्ध हो सकेगा। उक्त बातें गांधी जयंती पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित शालाओं, आंगनबाड़ी, आश्रम छात्रावास को गैस वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उद्योग, वाणिज्य, व्यापार एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कही। मंत्री देवांगन कहा कि संस्थाओं में परंपरागत तरीके से लकड़ी जलाकर चूल्हे पर खाना पकाने के लिए बड़ी मात्रा में पेड़ों

की कटाई भी होती है। जिसके दुष्परिणाम पर्यावरण असंतुलन के रूप में देखे जा सकते हैं। संस्थाओं में घरेलू गैस कनेक्शन से संस्थागत माताओं बहनों को खाना पकाने में सुविधा होगी ही, इसके साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि जिला खनिज संस्थान न्यास मद से जिले के संस्थाओं को परंपरागत तरीके से चूल्हे पर खाना बनाने से निकलने वाले धुंए से मुक्ति मिलेगी। इसके आगामी समय में निश्चित ही सुखद परिणाम मिलेंगे। उन्होंने कहा कि संस्थाओं को घरेलू गैस कनेक्शन की राशि डीएमएफ मद से दी जा रही है। इसके साथ ही गैस रिफिलिंग में होने वाले व्यय की राशि भी डीएमएफ मद से प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन बनाने वाले शासकीय बालक विद्यालय कोरबा के वैभव लक्ष्मी महिला स्वसहायता समूह, शासकीय साडा कन्या विद्यालय के जागृति महिला स्वसहायता समूह, शासकीय प्राथमिक शाला अंधरी कछार के जय अम्बे महिला स्वसहायता समूह, शासकीय विद्यालय मुड़ापार के अंजनीपुत्र स्वसहायता समूह को गैस सिलेण्डर प्रदाय किया। इसके साथ ही प्रीमैट्रिक बालक अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रावास नोनबिर्रा पाली, आंगनबाड़ी में मध्यान्ह भोजन बनाने वाले श्रीमती रथबाई, कुसुमबाई बुधवारी, ज्योतिकपल मुड़ापार को घरेलू एलपीजी सिलेण्डर प्रदान किया।

कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि संस्थागत कर्मचारियों, बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को रोकने एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बढ़ावा देने के लिए स्कूल, आश्रम, छात्रवास, आंगनबाड़ी में लकड़ी से खाना बनाने की मुक्ति के लिए संस्थाओं को घरेलू गैस कनेक्शन की योजना प्रारंभ की जा रही है। उन्होंने कहा कि आश्रम छात्रावासों में भोजन के लिए 50 प्रतिशत राशि सरकार से अनुदान मिलता है। इसके साथ ही शेष 50 प्रतिशत राशि का भुगतान डीएमएफ मद से किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत जिले के 2100 स्कूलों के लिए 1.5 करोड़, महिला बाल विकास अंतर्गत 2600 आंगनबाड़ी केंद्रों में 02 करोड़ रूपए एवं आदिम जाति कल्याण विभाग अंतर्गत 200 छात्रावास आश्रमों के लिए 13 लाख रूपए की राशि का घरेलू एलपीजी गैस कनेक्शन दिया जा रहा है। संस्थाओं में घरेलू गैस कनेक्शन करने पर करीब 03 करोड़ 63 लाख रूपए व्यय किए जाएंगे, जिसकी राशि डीएमएफ मद से प्रदाय की गई है।

संस्थाओं को यह सुविधा लंबे समय तक मिलती रहे इसका ध्यान रखते हुए वार्षिक गैस रिफलिंग के लिए शिक्षा विभाग के लिए 04 करोड़ रूपए, महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए 2.5 करोड़ रूपए तथा आदिम जाति विकास विभाग के लिए 01 करोड़ रूपए कुल राशि 7.5 करोड़ रूपए व्यय होंगे। व्यय राशि का भुगतान डीएमएफ मद से किया जाएगा।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, अपर कलेक्टर दिनेश नाग आदि विभागीय अधिकारी-कर्मचारी सहित स्वसहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थीं।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

वित्त मंत्री चौधरी औचक निरीक्षण में पहुंचे पुसौर स्कूल

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी आज रायगढ़ प्रवास के दौरान विकास खंड पुसौर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के औचक निरीक्षण में पहुंचे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने स्कूल का भ्रमण कर विद्यालय के मूलभुत सुविधाओं की जानकारी ली। यहां उन्होंने विद्यालय में प्रयोगशाला निर्माण के लिए 20 लाख रूपये तथा पुस्तकालय के पुस्तकों हेतु 2 लाख रुपये की घोषणा की। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले चार से पांच वर्ष आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अपने लिए स्पष्ट लक्ष्य बनाकर कामयाबी हासिल करने के लिए पढ़ाई करें, ताकि आपका भविष्य बन सके। उन्होंने कहा कि आज के दौर प्रतिस्पर्धा का दौर है, शुरूआती असफलताओं से निराश और हताश न होकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करें। बड़ी सोच और रणनीति बनाकर पढ़ाई करें, तभी लक्ष्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने कहा कि आज भारत विकासशील से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर हो रहा है।

भाजपा नेताओं के बयान बता रहे न्याय यात्रा की चोट गहरी लगी है

रायपुर। कांग्रेस के छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा की सफलता को मिले जनसमर्थन से भाजपा बौखला गयी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा के नेताओं के बयान भाजपा के सोशल मीडिया के द्वारा जारी किये जा रहे अनर्गल बयानों वाले पोस्ट यह बताने के लिये पर्याप्त है कि कांग्रेस की न्याय यात्रा के मुद्दे सही निशाने पर लगे है। सत्तारूढ़ दल अपना मानसिक संतुलन खो बैठा है। भाजपा के पोस्ट और बयानों में उन मुद्दों का जिक्र तक नहीं, कांग्रेस ने जिन मुद्दों को लेकर यह न्याय यात्रा निकाली। भाजपा के पास उसका कोई जवाब नहीं है। भाजपा के नेता बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था पर, रोज हो रही हत्याओं, महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार, सामूहिक बलात्कार की घटनाओं पर एक शब्द भी बोलने का साहस नहीं दिखा रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस की न्याय यात्रा रोज हो रही हत्या, लूट, चाकूबाजी, डकैती की घटनाओं से आम आदमी में भय पैदा हो गया है प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ था। राज्य में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध, प्रदेश में रोज हो रही दुराचार, सामूहिक दुराचार की घटनाओं के विरोध में थी कांग्रेस की न्याय यात्रा।

छत्तीसगढ़ में मिलेगी 300 से ज्यादा ब्रांड की शराब

रायपुर। मदिरा प्रेमियों को अब निराश नहीं होना पड़ेगा। अब सरकारी शराब दुकानों में पीने वालों की पसंद का ख्याल रखते हुए तीन सौ से अधिक ब्रांड उतारने की तैयारी हो गई है। खास बात ये है कि, नई ब्रांड की पहली खेप आ गई है और आबकारी विभाग ने इनकी चिल्हर बिक्री का नया रेट भी जारी कर दिया है। अभी जिन ब्रांड के रेट जारी किए गए हैं, वे एक अक्टूबर से 31 मार्च 2025 तक लागू रहेंगे। सरकार ने अब राज्य में शराब खरीदी का काम ब्रेवरेज कार्पोरेशन के हवाले कर दिया है। कार्पोरेशन ने शराब खरीदी के लिए देश के कई राज्यों के शराब निर्माता कंपनियों से रेट कांट्रेक्ट कर लिया है। बताया गया है कि अलग-अलग कंपनियों के 300 से अधिक ब्रांड के लिए रेट कांट्रेक्ट हो चुका है। अब संबंधित शराब निर्माता कंपनियों की ओर से सप्लाई शुरू कर दी गई है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों की शराब की खेप राज्य में आना शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ की सरकारी शराब दुकानों में नए-नए ब्रांड उपलब्ध कराने के पीछे सरकार का इरादा ये है कि पीने वालों को उनकी पंसद के ब्रांड मिल सके। इसके साथ ही जो प्रचलित ब्रांड है वे भी दुकान में मिले। इसके साथ ही सरकार आबकारी से मिलने वाले राजस्व को बढ़ाना भी चाहती है। बताया गया है कि पिछले वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ से मिलने करीब 6 हजार करोड़ रुपयों का राजस्व मिल रहा था, लेकिन अब सरकार इस करीब दुगना करने का तैयारी में है।

डेका ने निर्मला से नई दिल्ली में सौजन्य मुलाकात की

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से नई दिल्ली में सौजन्य मुलाकात की। श्री डेका ने केंद्रीय वित्त मंत्री से विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू संस्थागत निवेश और विदेशी संस्थागत निवेश के द्वारा छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ को एक समृद्ध अर्थव्यवस्था बनाने के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण के साथ छत्तीसगढ़ निवेशक सम्मेलन 2025 के आयोजन का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य राज्य में उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग के साथ बड़े और छोटे उद्योगों, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट निवेश को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के निवेश से छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। श्री डेका ने श्रीमती सीतारमण को बताया कि छत्तीसगढ़ में भरपूर प्राकृतिक, खनिज एवं वन संपदा है, जिसके कारण छत्तीसगढ़ में विकास की अपार संभावनाएं है।

राजनीति में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने चलेगा अभियान

रायपुर. छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस ने आज राजधानी के राजीव भवन में प्रेस वार्ता कर इंदिरा फेलोशिप कार्यक्रम के माध्यम से महिला शक्ति अभियान कि घोषणा की है. पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की स्मृति में महिलाओं को राजनीतिक क्षेत्र में सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक साल पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इंदिरा फेलोशिप कार्यक्रम की शुरुआत की थी. ये अभियान 'हक, हिस्सेदारी और पहचान' के मूल विचारों पर आधारित है जिसके जरिये राजनीति में रुचि रखने वाली महिलाओं को शक्ति अभियान से जोड़ कर राजनीति के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी और ट्रेनिंग दी जाती है. शिक्षा, रोजगार और बजट सहित हर क्षेत्र में 50% भागीदारी महिलाओं की हो इस मांग के साथ ये अभियान चलाया जा रहा है. महिला आयोग अध्यक्ष किरणमई नायक ने इंदिरा फैलोशिप के अंतर्गत आने वाले शक्ति अभियान का पोस्टर विमोचन किया. छत्तीसगढ़ की कार्यक्रम चेयरमैन सरिता मल्होत्रा ने बताया कि राज्य से लेकर पंचायत स्तर तक बूट कैम्प के जरिये महिलाओं को राजनीति से जोड़ने अभियान चलाया जा रहा, महिलाएं शक्ति अभियान के वेबसाइट और दिये नंबर पर मिस्ड कॉल कर जुड़ सकती है. अब तक 28 राज्यों और 350 ब्लॉकों में 4300 शक्ति क्लब स्थापित किए हैं, जिनमें 31000 से अधिक सदस्यों ने हिस्सा लिया है.

सी-ई-ओ- क्रेडा ने ली विभागीय समीक्षा

सौर संयंत्रों की गुणवत्ता में लापरवाही पर ब्लैकलिस्ट एवं वारंटी अवधि के संयंत्रों को कार्यशील नहीं करने पर इकाईयों की सुरक्षा निधि काटने

रायपुर। राजेश सिंह राणा (आई.ए.एस.), मुख्य कार्यपालन अधिकारी क्रेडा द्वारा क्रेडा की मुख्य योजनाओं जल जीवन मिशन, सौर सुजला योजना, सोलर हाई मास्ट, सोलर ऑफ ग्रिड पॉवर प्लांट, मॉडल विलेज एवं अन्य परियोजनाओं की समीक्षा बैठक विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त जिलों के जिला प्रभारियों एवं विभिन्न जिलों मे कार्य कर रही इकाईयों की समीक्षा बैठक ली गई। इस बैठक में प्रदेश में संचालित क्रेडा के समस्त जोनल कार्यालय के कार्यपालन अभियंता एवं जिला कार्यालयों से जिला प्रभारी/सहायक अभियंता एवं संबंधित इकाईयों को प्रतिनिधि उपस्थित थे। सर्वप्रथम क्रेडा सी.ई.ओ. राणा द्वारा प्रदेश में कृषि कार्यों हेतु सिंचाई उपलब्ध कराने की राज्य की महत्वाकांक्षी सौर सुजला योजना की समीक्षा की गई, योजनांतर्गत समीक्षा में फेस-08 के लंबित कार्यों को 01 माह में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिये गए एवं बैठक में अनुपस्थित इकाईयों के लंबित कार्यों को निरस्त करने के निर्देश दिये गए। तदोपरान्त क्रेडा सी.ई.ओ. द्वारा प्रदेश पेयजल व्यवस्था हेतु संचालित जल जीवन मिशन योजनांतर्गत स्थापित किये जा रहे टंकी युक्त सोलर पंपों के अप्रारंभ कार्य, लंबित सर्वे एवं अनुपयुक्त स्थलों के संबंध में चर्चा की गई जिसमें अप्रारंभ कार्यों में आ रही समस्याओं को एवं अनुपयुक्त स्थलों की जानकारी लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग (पी.एच.ई.) के माध्यम से निराकरण किया जाकर कार्यों को जल्द से जल्द प्रारंभ करने एवं समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने हेतु

निर्देशित किया गया, तथा कार्यरत् इकाईयों द्वारा समय-सीमा में कार्य प्रारंभ/पूर्ण न किये जाने की स्थिति में कार्यों के निरस्त कर दिये जाने की चेतावनी दी गई। इसके बाद क्रेडा सी.ई.ओ. राणा द्वारा प्रदेश के चयनित स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराने की राज्य की बहुत ही आकर्षक एवं पसंदीदा सोलर हाईमास्ट योजना की समीक्षा की गई। योजनांतर्गत लंबित सर्वे एवं प्रगतिरत कार्य एवं अप्रारंभ कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई जिसमें सोलर हाईमास्ट संयंत्रों की स्थापना हेतु जारी एल.ओ.आई. के विरूद्ध इकाईयों को सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर सर्वे रिपोर्ट संबंधित जिला कार्यालयों में जमा करने के निर्देश दिये गये साथ ही अप्रारंभ कार्यों को जल्द से जल्द प्रारंभ करते हुऐ समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है। कार्यरत् इकाईयों द्वारा समयसीमा में कार्य प्रारंभ/पूर्ण न किये जाने की स्थिति में कार्यों के निरस्त कर दिये जाने की चेतावनी दी गई। तदोपरान्त ऑफ ग्रिड सोलर पॉवर प्लांट की समीक्षा करते हुए श्री राणा द्वारा पीएम श्री स्कूल में सौर संयंत्रों की स्थापना कार्य प्राथमिकता में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित इकाई को दिये गए, तथा संबंधित जिला प्रभारियों को पीएम श्री स्कूल में स्थापित किये जा रहें संयंत्रों का भौतिक निरीक्षण कर नियमानुसार पूर्ण तकनीकी मापदंड अनुसार एवं गुणवत्ता के साथ संयंत्र स्थापित कराकर विस्तृत रिपोर्ट प्रधान कार्यालय प्रेषित किसे जाने का निर्देश दिये गए। सभी इकाईयों को काम शीघ्रता से ससमय पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। जिसमें मुख्य रूप मेसर्स नव्या टेक्नोलॉजी को अंतिम चेतावनी देते हुए कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी प्रकार मॉडल सोलर विलेज़ योजनांतर्गत सी.ई.ओ. क्रेडा द्वारा पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के कम्पोनेन्ट मॉडल सोलर विलेज़ के क्रियान्वयन हेतु प्रक्रियात्मक प्रगति की समीक्षा की गई। यह जानकारी प्राप्त होने पर कि, 09 जिलों में मॉडल सोलर विलेज़ का चयन नही किया गया है, उक्त हेतु संबंधित जिला प्रभारियों को शीघ्र ही मॉडल विलेज़ चयन की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश क्रेडा सी.ई.ओ. श्री राणा द्वारा दिये गए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, क्रेडा द्वारा सभी अधिकारियों एवं स्थापनाकर्ता इकाईयों को कतिपय कारणों से अकार्यशील सौर संयंत्रों को निर्धारित समय-सीमा में सुधार कर कार्यशील करने के निर्देश दिये गये.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.